केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 263 मंगलवार 16 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com



## महागौरी : अलौकिक सिद्धियां देती हैं मां दुर्गा की आठवीं शक्ति...

नवरात्रि में आठवें दिन महागौरी शक्ति की पूजा की जाती है। नाम से प्रकट है कि इनका रूप पूर्णतः गौर वर्ण है। इनकी उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से दी गई है।

अष्टवर्षा भवेद् गौरी यानी इनकी आयु आठ साल की मानी गई है। इनके सभी आभूषण और वस्त्र सफेद हैं। इसीलिए उन्हें श्वेताम्बरधरा कहा गया है। 4 भुजाएं हैं और वाहन वृषभ है इसीलिए वृषारूढ़ा भी कहा गया है इनको।

इनके ऊपर वाला दाहिना हाथ अभय मुद्रा है तथा नीचे वाला हाथ त्रिशूल धारण किया हुआ है। ऊपर वाले बाँये हाथ में डमरू धारण कर रखा है और नीचे वाले हाथ में वर मुद्रा है।

इनकी पूरी मुद्रा बहुत शांत है। पति रूप में शिव को प्राप्त करने के लिए महागौरी ने कठोर तपस्या की थी। इसी वजह से इनका शरीर काला पड़ गया लेकिन तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने इनके शरीर को गंगा के पवित्र जल से ध ोकर कांतिमय बना दिया। उनका रूप गौर वर्ण का हो गया। इसीलिए ये महागौरी कहलाईं।

ये अमोघ फलदायिनी हैं और इनकी पूजा से भक्तों के तमाम कल्मष धुल जाते हैं। पूर्वसंचित पाप भी नष्ट हो जाते हैं। महागौरी का पूजन–अर्चन, उपासना–आराधना कल्याणकारी है। इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धियां भी प्राप्त होती हैं।

## एक नजर

## संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

(छावनी) बस्ती । छावनी थाना क्षेत्र के फूलडीह गाँव में सोमवार की दोपहर एक महिला ने छत के कुंडी से साड़ी में फंदा लगाकर खुदकुशी करने का मामला प्रकाश में आया है। सूचना पर पहुचीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कराकर पीएम के लिए बस्ती भेज दिया।

जानकारी के अनुसार छावनी थाना क्षेत्र के फूलडीह गाँव निवासिनी 35 वर्षीय अंजनी पत्नी अखिलेश सोमवार को अपने घर में दरवाजा अंदर से बंद कर छत की कुंडी में साड़ी से फंदा लगा कर आत्महत्या कर लिया। घटना के समय पति अखिलेश घर पर नहीं था। दोपहर एक बजे घर पहुंचे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद देखकर आवाज लगाई कोई जबाब नही मिलने पर उसने पड़ोसी की छत पर जाकर जंगले से अपने घर में देखा तो पत्नी अंजनी छत की कुंडी से लटकी हुई थी। घटना की सूचना तत्काल छावनी पुलिस को दिया। सूचना पर छावनी के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी और विक्रमजोत चौकी इंचार्ज रितेश सिंह मय फोर्स के पहुंचे। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर फोरंसिक टीम भी मौके पर पहुचीं। पुलिस ने शव को उतरवाया और पंचनामा कराकर पीएम के लिए बस्ती भेज दिया। बता दें कि गांव वालों के अनुसार अखिलेश का विवाह 13 वर्ष पहले अंजनी के साथ हुआ था परंतु कोई संतान न होने से दम्पति परेशान रहते थे। मृतिका के पति अखिलेश कुमार वर्ष2010 से 2015 तक विक्रमजोत प्रथम से जिलापंचायत सदस्य और वर्ष 2015 से 2020 तक फूलडीह ग्राम पंचायत के प्रधान रह चुके हैं। वर्तमान में फूलडीह गांव निवासी वर्तमान जिलापंचायत सदस्य आदित्य प्रताप पाण्डेय के यहां काम करते हैं। घटना की सूचना लोगों को मिलते ही बड़ी संख्या में आसपास के गांव वाले भी फूलडीह गांव पहुंचे। इस संबंध में चौकी प्रभारी रितेश कुमार सिंह ने बताया कि मामला प्रथम दृश्य आत्महत्या का लगता है फॉरेंसिक टीम द्वारा जांच कर कर 100 को पीएम है तो भेजा गया है लड़की के मायके के परिजन भी मौके पर आए थे इस संबंध में कोई तहरीर या शिकायत नहीं मिली है

# इलेक्टोरल बॉन्ड पर बोले पीएम मोदी– देश को फिर काले धन की ओर ढकेल दिया गया

**नई दिल्ली (आभा)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों से पहले समाचार एजेंसी एनआई को दिए इंटरव्यू में इलेक्टोरल बॉन्ड पर कहा कि फिर से देश को कालेधन की तरफ धकेल दिया गया है। उन्होंने कहा कि चुनावों को कालेधन से मुक्त कराने के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड लाया गया था लेकिन उसे रद्द कर फिर से चुनावों में कालेधन के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। पीएम ने कहा कि यह देश के लिए खतरनाक है। उन्होंने आगाह किया कि इसका विरोध करने वाले लोग इस मुद्दे पर पछताएंगे।



पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर इलेक्टोरल बॉन्ड्स स्कीम को लेकर 'झूठ फैलाने' का आरोप लगाया है। पीएम मोदी ने कहा कि चुनावी बांड योजना का उद्देश्य चुनावों में काले ध ान पर अंकुश लगाना था लेकिन विपक्ष आरोप लगाकर भागना चाहता है। उन्होंने कहा, इलेक्टोरल बॉन्ड के कारण आपको मनी ट्रेल का पता चल सका है।

इलेक्टोरल बॉन्ड की तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'इलेक्टोरल बॉन्ड से ये पता चल सका है कि किस कंपनी ने पैसे दिए? किस दल को पैसे दिए? पैसा कहां दिया? कितना दिया? इन सवालों के जवाब अब मिल पा रहे हैं, जो पहले संभव नहीं थे। इसलिए मैं कहता हूं कि जब विपक्षी दल ईमानदारी से सोचेंगे, तो हर किसी को पछतावा होगा। जो लोग डेटा पब्लिक होने को लेकर हल्ला मचा रहे हैं, उन्हें बाद में अफसोस होगा। उन्होंने देश को काले धन की तरफ धकेला है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद जिन 16 कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा दिए, उनमें से केवल 37 फीसदी राशि ही भाजपा को मिली, शेष 63 फीसदी राशि भाजपा विरोधी विपक्षी दलों को मिली है।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले भी चुनावों में राजनीतिक दल चंदा लेते थे लेकिन उसका कोई लेखा–जोखा नहीं रहता था और कालेधन का इस्तेमाल चुनाव जीतने के लिए होता था। इलेक्टोरल बॉन्ड की वजह से मनी ट्रेल का पता चल सका। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को भी कई बार लोगों ने चेक से चंदा देने से मना कर दिया था लेकिन वे नकद देना चाहते थे। उनका कहना था कि चेक से पैसे देने से उनकी पहचान उजागर हो जाएगी, तब लोग कहेंगे कि आपने विपक्षी दल को चंदा दिया है। पीएम ने कहा कि इस तरह की असुविधा ना हो इससे बचने के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड लाया गया था। बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड को रद्द कर दिया था।

## बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांगः भारत मुक्ति मोर्चा ने मुख्य निर्वाचन आयोग को भेजा ज्ञापन



**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । सोमवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में मोर्चा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त को 5 सूत्रीय ज्ञापन भेजा। मांग किया कि लोकसभा का चुनाव ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से कराया जाय। यदि ईवीएम से ही चुनाव कराने की विवशता हो तो वीवीपैट से निकली पर्ची पर मतदाता का हस्ताक्षर या अगूंठा लगवाकर उसकी पुष्टि हो और आवश्यकता पड़ने पर मतों की गणना करायी जाय।

ज्ञापन सौपने के बाद मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर राष्ट्रपति को 19 सूत्रीय ज्ञापन भेजकर मांग किया था कि चुनाव प्रक्रिया में व्यापक सुधार कर ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराया जाय। जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा । कहा कि दुनियां के विकसित देशों में भी ईवीएम से चुनाव नहीं होते तो आखिर भारत में क्यों। 'ईवीएम हटाओ, बैलेट पेपर लाओ और लोकतंत्र बचाओ अभियान के अंतर्गत देश के जिलों के मुख्यालयों पर भारत मुक्ति मोर्चा के द्वारा भारत का लोकतंत्र बचाने के लिए ईवीएम के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन चलाया गया। कहा कि ईवीएम मशीन के उपर से जनता का विश्वास खत्म होता जा रहा है। मशीन में वोटर्स के वोटों का सत्यापन करने का प्राविध ाान ना होने की वजह से, पारदर्शिता ना होने के कारण नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने के साथ साथ लोकतंत्र पर भी खतरा मड़रा रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से लोकसभा 61 बस्ती से भारत मुक्ति मोर्चा प्रत्याशी आर.के. गौतम के साथ ही बुद्धेश राना, हृदय गौतम, चन्द्रिका प्रसाद, रामलेश, राम सुमेर यादव, चन्द्र प्रकाश गौतम, विमला देवी, रामअवतार पासवान, शिवा, निखिल, कृपाशंकर चौधरी, राहुल, अरमान, मंदीप के साथ ही अनेक संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

## तिहाड़ जेल से चलेगी दिल्ली की सरकार



**नई दिल्ली (आभा)।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्यसभा सांसद और पंजाब के सह प्रभारी डॉ. संदीप पाठक ने सोमवार को तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की।

सीएम अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, 'यह देखकर बहुत दुख हुआ कि उन्हें वे सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जो कट्टर अपराधि ायों को भी मिलती हैं। उनकी गलती क्या है? उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है मानो आपने देश के सबसे बड़े आतंकवादियों में से एक को पकड़ लिया हो। पीएम मोदी क्या चाहते हैं? अरविंद केजरीवाल जो 'कट्टर ईमानदार' हैं, जिन्होंने पारदर्शिता की राजनीति शुरू की और भाजपा की राजनीति खत्म की, उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है।

जेल से बाहर आकर संदीप पाठक ने बताया कि केजरीवाल ने उनसे मुफ्त बिजली, पानी, इलाज, महिलाओं को बस सेवा की सुविधाएं मिलने समेत जनता के सुख–दुख के बारे में पूछा। अगले हफ्ते से सीएम केजरीवाल दो मंत्रियों को जेल में बुलाकर उनके विभागों की समीक्षा करेंगे कि काम कैसा चल रहा है। पाठक ने बताया कि सीएम केजरीवाल ने विधायकों को 24 घंटे जनता के बीच में रहने और उनकी तकलीफों को दूर करने का संदेश दिया है। सरकार जेल से चल रही है, अगले हफ्ते से मंत्रियों के साथ कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगे। जेल में हर हफ्ते दो–दो मंत्री सीएम से मुलाकात करेंगे, उनको मंत्री अपने विभागों का लेखाजोखा देंगे और दिशा निर्देश लेंगे।

राज्यसभा सांसद पाठक ने जेल में मंत्रियों के साथ बैठक को लेकर कहा कि जो भी कानूनी प्रक्रिया होगी, उसके तहत ही कार्य किए जाएंगे। दिल्ली के बेटे अरविंद केजरीवाल को अपनी नहीं, जनता की चिंता है, वो बोले– मेरी चिंता मत करो, मैं संघर्ष के लिए तैयार हूं। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा, हम सच्चाई और ईमानदारी से लोकतंत्र बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, अंत में जीत सत्य की होगी।

# भाजपा का संकल्प पत्र मोदी की गारण्टी–समीर

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व जिला प्रभारी समीर सिंह और जिलाध यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने भाजपा का संकल्प पत्र को लेकर बस्ती में प्रेस वार्ता की । इस दौरान उन्होंने कहा की मोदी जी का गारण्टी कार्ड है। इसका एक–एक शब्द सत्य को समर्पित है। भाजपा सिर्फ वादा ही नही करती, उसे 100: पूरा भी करती है। पूर्व में जितने भी वादे किए उन्हे मोदी जी की सरकार ने पूरा किया है। लोकल स्तर पर भी जिले में सडको का जाल बिछा है तथा यहाँ के जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार विकास के कार्य हो रहे है। कहाँ की हमारे संकल्प पत्र में इस बार मुफ्त राशन योजना जारी रहेगी, जन औषधि केंद्रो पर 80 प्रतिशत डिस्काउंट की दवाई मिलती रहेगी और उनका विस्तार होगा। 3 करोड़ और नए पीएम आवास बनेंगे, 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा, आयुष्मान योजना जारी रहेगी। बिजली बिल जीरो हो और उसके साथ उपभोक्ता कमाई भी कर सके इसलिए पीएम सूर्य घर योजना में 1 करोड़ रजिस्ट्रेशन हुए उस पर तेजी से काम होगा। मुद्रा योजना की सीमा 10 लाख से बढ़कर 20 लाख रुपए



होगी। स्वनिधि योजना में 50 हजार की लिमिट को बढ़ाया जाएगा और शहरों से छोटे कस्बों और गांवों तक ले जाया जाएगा। पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ आगे भी मिलता रहेगा। भाजपा ने ट्रांसजेंडर को पहचान देने का काम किया है। अब उन्हें आयुष्मान योजना का भी लाभ मिलेगा। आने वाले समय में उत्तर भारत, दक्षिण भारत और पूर्वी भारत में भी बुलेट ट्रेने चलेंगी। आने वाले समय में हमारी सरकार ग्रीन एनर्जी और एनर्जी में आत्मनिर्भरता के लिए काम कर रही है। पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने, ग्रीन हाइड्रोजन रिनेयुवल एनर्जी,गोबर धन एवं बायोफ्यूल आदि पर तेजी से काम होगा। इलेक्ट्रिक व्हीकल का मार्केट तेजी से बढ़ा है। भारत सभी क्षेत्रों में दुनिया का ग्लोबल हब बनकर उभर रहा है। हर सेक्टर में भारत को ग्लोबल हब बनाने की भाजपा की कोशिश है। ग्रीन एनर्जी हब होगा, फार्मा हब होगा, इलेक्ट्रॉनिक हब होगा, ऑटोमोबाइल हब होगा, सेमीकंडक्टर हब होगा, इन्नोवेशन हब होगा, लीगल इंश्योरेंस हब होगा तथा कमर्शियल हब होगा । यह सब सेंटर भारत में होंगे। अंतरिक्ष में भी विश्व में भारत को बड़ी ताकत के रूप में उभारेंगे। आने वाला समय युवाओं के लिए बड़े अवसर लेकर आएगा। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफार्म तथा गुड गवर्नेंस,डीजिटल गवर्नेंस और डाटा गवर्नेंस के लिए देश में आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम तैयार किया जाएगा। वन नेशन वन इलेक्शन विचार को साकार करने का संकल्प। ाष्टाचारियों पर निरंतर सख्त कार्रवाई होती रहेगी यह मोदी की गारंटी है। भाजपा के संकल्प पत्र पर 4 जून को परिणाम आते ही काम शुरू हो जाएगा। चंद्रयान की सफलता देखी अब हम गगन यान का गौरव अनुभव करेंगे,जी–20 में भारत में स्वागत देखा अब हम ओलंपिक में भारत की मेजबानी करेंगे, यह दुनिया देखेगी। पीएम विश्वकर्मा योजना का विस्तार होगा। आंतकवाद के खिलाफ जीरो टोलरेंस,सीमाओं पर मजबूत आधारभूत ढाँचा,नक्सली गतिविधियों को खत्म करना और सशस्त्र बलों की क्षमता बढाएंगे। न्याय सहिंता लागू करेंगे,नशें के खिलाफ लड़ाई लडेंगे। भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाएंगे। रोजगार के अवसर बढ़ाएगें, निर्यात को देंगे बढ़ावा, ईमानदार करदाता का सम्मान करेंगे। इन विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

इस दौरान प्रेस वार्ता में पूर्व विध ाायक दयाराम चौधरी, लोकसभा संयोजक केडी चौधरी, विवेकानन्द वर्मा, अमृत कुमार वर्मा, नितेश शर्मा, मनमोहन श्रीवास्तव काजू, विशाल श्रीवास्तव, आदित्य श्रीवास्तव मौजूद रहे।

# जातिवाद, परिवारवाद लोकतंत्र के लिये सबसे बडी बाधा–योगी

**पटना (आभा)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिहार के मतदाताओं से राज्य में गुंडा राज और परिवारवाद की राजनीति को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को वोट देने की अपील की। बिहार के नवादा जिले में भाजपा प्रत्याशी विवेक ठाकुर के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए योगी ने कहा जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति भारतीय लोकतंत्र की सामने सबसे बड़ी बाध ाा है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए योगी ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने लोकनायक और कर्पूरी ठाकुर को कभी सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर बिहार वासियों को भी सम्मान देने का काम किया। लालू यादव की आरजेडी पर हमला बोलते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्हें रंगदारी व वसूली से फुर्सत मिले तब तो बिहार का विकास करेंगे।

मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दस वर्षों में भारत काफी बदल चुका है। दुनिया के अंदर भारत का सम्मान बढ़ा है। इतना ही नहीं आज भारत की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले लोग भूखों मरते थे, भूख से लोगों की मरने की खबरें आती थीं लेकिन



आज 80 करोड़ लोगों को राशन मिल रहा है।

इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने औरंगाबाद में भी चुनावी सभा को संबोधित किया। योगी ने कहा कि राजद शासनकाल में बिहार के लोगों के लिए अपनी पहचान का संकट पैदा हो गया था और वही गुंडाराज को फिर से लागू करने का उन्होंने (राजद नेताओं ने) प्रयास किया।

## भतीजे ने की चाचा की हत्या ईंट से सिर कूंच कर फरार

**संवाददाता–बस्ती।** हर्रैया थाना क्षेत्र के डहडा गांव में सिरफिरे भतीजे ने अपने वृद्ध चाचा की ईंट से सिर कूचकर हत्या कर दी। चाचा ब्रह्मदेव शुक्ल भोर में अपने बाग में महुआ बीनने गए थे। इसी बीच भतीजा राघवेंद्र वहां पहुंचा और चाचा पर हमला बोल दिया। चोट लगने से चाचा जमीन पर गिर गए। इसके बाद राघवेंद्र ने उनके सिर पर पत्थर व ईंट से कूच दिया और मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। पुलिस को मिली सूचना के अनुसार डहडा मिश्र निवासी ब्रह्मदेव शुक्ला (76) पुत्र बाबूराम शुक्ला का शव गांव के बाहर मिला। वह अशोक इंटर कॉलेज छावनी के प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए थे। परिजनों के अनुसार ब्रह्मदेव शुक्ला सोमवार सुबह शौच के लिए घर से निकले थे। उसके बाद वे अपने पेड़ से गिरने वाले महुआ को बीनते वाले थे। उनका शव ग्राम पंचायत भवन के पास मिला। आरोप है कि उनका एक भतीजा, जिसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है, ने ईंट से कूच कर सिर फोड़ दिया। मौके पर ही ब्रह्मदेव शुक्ला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा।

## समानता और न्याय के लिए आजीवन संघर्ष करते रहे डा. भीमराव अम्बेडकर –डा. वी.के. वर्मा

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड आयुष पैरा मेडिकल कालेज गोटवा में संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। उन्होंने अपने जीवन के बचपन से ही जाति भेदभाव और असमानता का सामना किया। वे अपने जीवन के अंतिम दिनों तक समाज में अधिकार, समानता और न्याय के लिए संघर्ष करते रहे। भीमराव आंबेडकर ने अपनी शिक्षा के लिए काफी मेहनत की। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और अंततः वे लंदन के अंग्रेजी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि ा प्राप्त करने के बाद भारत लौटे। भारत लौटने के बाद उन्होंने अपना जीवन सामाजिक सुधार कार्यों में लगा दिया।

बहुजन समाज पार्टी के पूर्व प्रत्याशी बसपा नेता डा. आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि भीमराव



आंबेडकर ने भारत के संविधान का निर्माण किया। उन्होंने संविधान समिति के अध्यक्ष के रूप में काम किया था। संविधान समिति का काम 1946 में शुरू हुआ था और संविधान का निर्माण 26 नवंबर, 1949 को पूरा हुआ था। संविधान भारत की संवैधानिक शासन व्यवस्था है और 26 जनवरी, 1950 को भारत के गणतंत्र की शुरुआत हुई थी। भीमराव आंबेडकर ने दलितों के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने दलितों के खिलाफ हुए सामाजिक भेदभाव के विरोध में अभियान चलाया। उन्होंने अपने दृ ष्टिकोण से दलित बौद्ध आंदोलन को भी प्रेरित किया और बौद्ध समाज की स्थापना की। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

बाबा साहब की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. मनोज मिश्र, डा. आर.एन. चौध ारी, डा. अतुल कुमार श्रीवास्तव, डा. लालजी यादव, डा. आलोक वर्मा, डा. रीतेश चौधरी, डा. चन्द्रा सिंह, डा. अनीता वर्मा, विनय मौर्य, विशाल, सतीश चौधरी, शिव प्रसाद चौधरी, शिवशंकर, मनीष वर्मा, ध्रुवचन्द्र, मनोज गुप्ता, सविता श्रीवास्तव, जग प्रसाद, उदयभान, सूरज, राजेश सिंह, शिवशंकर, उत्कर्ष दूबे, डा. श्रवण कुशवाहा, रामस्वरूप, गोल्डी, मनीषा, अतुल, सतीश, पूजा वर्मा, माया वर्मा, शालू, फूलपती के साथ ही छात्र शामिल रहे।

## बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती पर लिया गरीब बच्चों के शिक्षा का संकल्प

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । बस्ती सदर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत दुबखरा के ग्राम संसारपुर में अम्बेडकर पार्क में डॉ अम्बेडकर भगवान बुद्ध सामाजिक विकास मिशन समिति के द्वारा बाबा साहब की जयंती धूम धाम से मनाई गई । समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार , कोषाध्यक्ष हितलाल ,सचिव संरक्षिका श्रीमती शांती देवी सदस्य रामदीन, दुर्गादास चंदन, हर्षित, रामदीन, विनोद, पवन, लालमन, विकास, आकाश, दीपक, बलराम विश्वकर्मा, अर्जुन प्रसाद, विजय कुमार, ओम प्रकाश, बलिकरन व अन्य लोगो ने बाबा साहब और भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया । कहा कि दोनों महापुरूषों ने समाज के गरीब, विपन्न वर्ग के उत्थान हेतु जो संदेश दिया उसे आगे बढाने की जरूरत है। भगवान बुद्ध और बाबा साहब की प्रतिमा का बौद्ध रीतिरिवाजों से पूजन वंदन किया गया। जितेन्द्र कुमार ने कहा कि बाबा साहब ने शिक्षित बनने पर सर्वाधिक जोर दिया था। समिति की ओर से गरीब छात्रों को निःशुल्क शिक्षा का प्रबन्ध कर दिया है। इस



अवसर पर डा. भीमराव अम्बेडकर शिक्षण संस्थान से अम्बेडकर पार्क संसारपुर तक छात्रों और ग्रामीणों द्वारा प्रभातफेरी निकाली गई।

मुख्य अतिथि वीरेन्द्र चौध ारी विशिष्ट अतिथि बाबूराम ने कहा कि बाबा साहब के अधूरे संकल्पों को मिलकर पूरा करना होगा। समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ने कहा कि बाबा साहब जीवन भर दलित ,शोषितो ,पिछड़ो के सम्मान व अधिकार की लड़ाई लड़ी थी ,किन्तु आज भी दलितों पिछड़ो की हालत खराब हो गई है आज भी समाज को बाबा साहब जैसा व्यक्तित्व की जरूरत है ।

इस अवसर पर तमाम ग्रामीण व अन्य क्षेत्रीय जनता भी समिति के सदस्यों के साथ अम्बेडकर पार्क संसारपुर में अम्बेडकर जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लिया । इस अवसर पर , बुद्धिराम ,भगवानदीन ,कन्हैया, किशन, शकुन्तला देवी, पार्वती देवी, प्रिया, रिया, सागर, राध ाा, गुडिया, नीतू, मनीषा, खुशबू, नन्दनी, राधिका, सोनी, शान्ती, संजय, शिवा, अंकिता, रागिनी, सूरज, विध ाान, सागर, अरूण के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

*''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''–वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
# भारतीय बस्ती
बस्ती 16 अप्रैल 2024 मंगलवार

## सम्पादकीय

### ईरान–इस्राइल युद्ध की आहट

छह माह से गाजा पट्टी पर इस्राइल की निरंकुश कार्रवाई के बाद दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले की प्रतिक्रिया में इस्राइल पर हुए ईरानी हमले ने मध्यपूर्व के संकट को और गहरा दिया है। अब इस्राइल ईरान पर जवाबी कार्रवाई को अंजाम देने की तैयारी में जुटा है। ऐसे में पहले रूस–यूक्रेन युद्ध की मार झेल रही दुनिया गहरे आर्थिक संकट की चपेट में आ सकती है। शनिवार की रात ईरान ने तीन सौ से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों व सैकड़ों ड्रोन के जरिये इस्राइल पर भीषण हमला किया था। हालांकि इस्राइल ने अपने सशक्त एअर डिफेंस सिस्टम से नब्बे फीसदी से अधिक हमलों को विफल कर दिया। जिसका जवाब देने के लिये इस्राइली तैयारियां चरम पर हैं। इस्राइल की आईडीएफ ईरान को घुटनों पर लाने की तैयारी में जुटी है। आशंका जतायी जा रही है कि इस्राइल ईरान के महत्वाकांक्षी परमाणु कार्यक्रम को निशाना बना सकता है। उधर खाड़ी के देश युद्ध के विस्तार को लेकर खासे चिंतित हैं और अमेरिका को युद्ध से दूरी बनाये रखने को लेकर चेता रहे हैं। हाल ही में जिस तरह ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने हार्मूज जलडमरूमध्य में एक इस्राइली समुद्री जहाज को कब्जे में लिया है, उससे आशंका है कि इस संघर्ष से वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति का बड़ा भाग प्रभावित हो सकता है। आशंका यह भी जतायी जा रही है कि यदि इस्राइल जवाबी कार्रवाई करता है तो युद्ध का विस्तार बड़े इलाके में हो सकता है।

अब संयुक्त राष्ट्र समेत वैश्विक बड़ी ताकतें चिंता जता रही हैं कि दुनिया अब एक नये युद्ध को सहन करने की स्थिति में नहीं है। सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब इस्राइल आक्रामकता की सीमाएं लांघ कर पिछले छह महीने से गाजा पर लगातार हमले जारी रखे हुए था तो अमेरिका ने स्थिति नियंत्रण के प्रयास क्यों नहीं किये। ऐसा लगता है कि अमेरिका भी अब मध्यपूर्व के संकट में उलझता नजर आ रहा है। खाड़ी में उसके सहयोगी देश ईरान–इस्राइल संकट को बढ़ने से रोकने के लिये दबाव बना रहे हैं। उन्होंने अमेरिका को दो टूक शब्दों में कहा है कि उनके देश में बने सैन्य अड्डों का ईरान के खिलाफ कार्रवाई में इस्तेमाल करने से बचा जाए। जाहिरा तौर पर जिस तरह की भूमिका अमेरिका व उसके मित्र देश यूक्रेन युद्ध में रूस के खिलाफ निभा रहे थे, वैसी भूमिका रूस–चीन अब ईरान–इस्राइल संघर्ष में निभा सकते हैं। इन दोनों देशों के ईरान के साथ गहरे रिश्ते बने हुए हैं। निश्चित रूप से मध्य पूर्व का संघर्ष शेष विश्व के हित में नहीं है। वहीं इस्राइल ने ईरानी हमले के बाद उसके समर्थन से इस्राइल पर हमला करने वाले हिजबुल्लाह के सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। दरअसल, ईरानी हमले के दौरान लेबनान से हिजबुल्लाह ने भी राकेटों से हमले किये थे। बहरहाल, विश्व समुदाय का फर्ज बनता है कि इस संघर्ष को और बढ़ने से रोके। इस्राइल को अपनी स्वतंत्रता की रक्षा का अधिकार है, मगर उसकी बेलगाम आक्रामकता को सहन नहीं किया जा सकता। इजराइल ने सीरिया में ईरानी दूतावास पर अचानक हमला कर दिया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। हमले में शीर्ष ईरानी सैन्य अधिकारी मारे गए। इसके बाद बीते दिन ईरान ने इजराइल पर हमला कर दिया। इस हमले को लेकर अमेरिका ने पहले ही चेतावनी दे दी थी। हालांकि, ईरान की तरफ से दागी गई मिसाइल को इजराइल ने रोक दिया। बड़ी बात ये है अब इजराइल ईरान को उसी की भाषा में जबाव देने की तैयारी में है।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को इजराइली समकक्ष काट्ज और ईरानी समकक्ष हुसैन अमीर–अबदुल्लानह्यान के साथ फोन पर बात की। इसके बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मैंने घटनाक्रम पर अपनी चिंता शेयर की। व्यापक क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की। साथ ही, तत्काल तनाव कम करने की अपील की। विदेश मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि हम इजराइल और ईरान के बीच शत्रुता से ज्यादा चिंतित हैं। इससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा है। मंत्रालय ने सभी से हिंसा से दूर रहने और कूटनीति के रास्ते पर वापस आने की अपील की है।

# मायावी प्रचार की रणनीति और मुद्दे

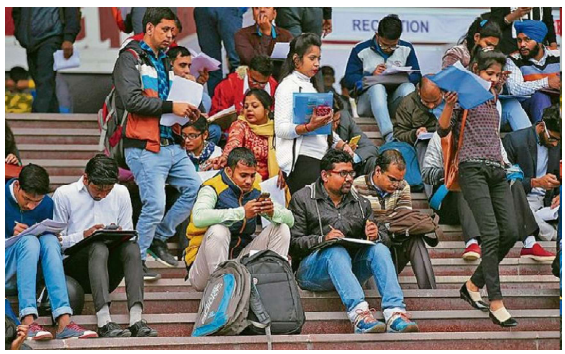



**–राजेश रामचंद्रन–**



क्या यह घड़ी 2004 जैसी है? चौंकाने वाले परिणाम के साथ वह आम चुनाव विशेष रहा न केवल हारने वाले के लिए बल्कि जीतने वाले के लिए भीदृ और राजनीतिक पंडितों पर काफी देर तक इन नतीजों का असर बना रहा कि कैसे मायावी प्रचार की परिणति सत्ता में बदलाव बनकर आई। तथ्य यह है कि कांग्रेस ने जीत के लिए विशेष प्रयास नहीं किए थे लेकिन भाजपा के 'शाइनिंग इंडिया' नारे ने यह हाल करवा दिया। क्योंकि अधिकांश लोगों के लिए 'चमकता भारत' जैसा कुछ नहीं था, लिहाजा किसी नारा–लेखक की कलम से निकली यह चतुराई भरी पंचलाइन उलटी पड़ गयी।

यहां जो बात 2004 के चुनावी परिदृश्य की याद दिला रही है, वह है सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवेलपिंग सोसायटीज (सीएसडीएस) द्वारा करवाया हालिया सर्वेदृ यह एक थिंक टैंक है जिसकी स्थापना तकरीबन 60 साल पहले राजनीतिक विज्ञान के माहिर रजनी कोठारी, डीएल शेठ और आशीष नंदी द्वारा की गई थी। इस सर्वे के परिणाम बीते बृहस्पतिवार को एक राष्ट्रीय दैनिक अखबार में छपे। इसके मुताबिक, मुख्य चुनावी मुद्दा हिंदुत्व न होकर बेरोजगारी और कीमतों में वृद्धि (महंगाई) है (यानी कि यह मुख्य चिंता है, जैसा कि सर्वे ने परिभाषित किया है)।

राम मंदिर और भ्रष्टाचार, दोनों 8 प्रतिशत सहित, मुद्दों की सूची में पांचवें पायदान पर हैं जबकि मुख्य चिंताओं के क्रम में, रोजगार (27), महंगाई (23), विकास (13) और अन्य (9 प्रतिशत) इनसे ऊपर हैं। सर्वे में बेरोजगारी को लेकर संत्रास का स्तर चौंकाता है। सर्वेकर्ताओं का दावा है कि यह अध्ययन 19 सूबों के 100 संसदीय चुनाव क्षेत्रों में 400 मतदान केंद्रों के अंतर्गत 10,019 लोगों से बातचीत पर आधारित है। सर्वे में भाग लेने वालों में लगभग 62 प्रतिशत का कहना है कि नौकरी पाना मुश्किल हो गया है, स्थिति बड़े शहरों में छोटे कस्बों व गांवों के मुकाबले ज्यादा दुरूह है। यह चिंताजनक आंकड़ा है। आम नागरिकों में सबसे बड़ी संख्या रखने वाले वर्ग में रोजगार की उपलब्धतता किसी समाज की प्रगति का वास्तविक पैमाना होता है न कि स्टॉक सूचकांक में हो रही उत्तरोत्तर बढ़ोतरी या फिर भारतीय खरबपतियों की संपत्ति में होता इजाफा। वर्ष 2004 में भले ही सत्ताधारियों के मुताबिक तो भारत चमक रहा था किंतु गरीबों के लिए ऐसा कुछ नहीं था, लिहाजा उन्होंने अपना गुस्सा मतदान से जाहिर कर दिया।

जिस अन्य मुद्दे ने गरीब इंसान पर चोट की है वह है कीमतों का बढ़ना : अध्ययन में भाग लेने वालों में 71 प्रतिशत ने बढ़ती महंगाई की बात की है और गरीब तबके में यह आंकड़ा इससे भी ऊपर है– उनमें 76 प्रतिशत परेशान हैं। इस पर भाजपा को बैठकर ध्यान देना और मनन करना चाहिए। बेरोजगारी और महंगाई, जीवनयापन से परस्पर जुड़े दो ऐसे मुद्दे हैं, जिनकी अहमियत पहचान आधारित राजनीति से कहीं ऊपर है। यदि सबसे बुरी तरह प्रभावित मतदाता परेशान है और बहुत विशाल संख्या में है, तो जनमत–निर्माता और सोशल मीडिया इन्फलुएंसर जो मर्जी कहें, हकीकत में इनका कोई असर नहीं और सर्वे के मुताबिक, सच सिर्फ यही है।

2004 के विपरीत, कदाचित वर्तमान केंद्र सरकार को व्याप्त संत्रास के बारे में जानकारी है। चुनाव पूर्व इसकी तमाम गतिविधियां दर्शाती हैं कि सत्ताधारी दल को सुधारक उपाय करने की जल्दी लगी है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, भाजपा या तो स्थानीय भागीदारों से गठबंधन कर रही है या यह सुनिश्चित करने में लगी है कि चुनाव तीन या चार कोणीय बन जाए ताकि विपक्ष के मत बंट सकें। कम–से–कम ऊधमपुर में गुलाम नबी आजाद की पार्टी ने यह सुनिशिचत कर दिया है कि चुनावी मुकाबला बहु–कोणीय हो जाए, उम्मीद है उनका प्रत्याशी गुलाम मोहम्मद सरूरी मुस्लिम वोटें विभक्त करेगा।

पंजाब में भी मुकाबला चार कोणीय बनने से नतीजे मिल–जुले रहने का कयास है, यह स्थिति रिवायती तौर पर दो बड़े दलों के बीच होते आए चुनावी संग्रामों से अलग है। हरियाणा में जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) का भाजपा से आहिस्ता से गठबंधन तोड़कर अलग होने का फायदा सिर्फ सत्ताधारी दल को होगा क्योंकि विपक्ष की जाट वोटें बंट जाएंगी। चौटाला कुनबे की दो पार्टियां चुनावी संग्राम में हैं जेजेपी और भारतीय राष्ट्रीय लोकदलदृ और उम्मीद के मुताबिक दोनों ही जाट वोटों का एक हिस्सा ले पाने में सफल होंगे, जो अन्यथा कांग्रेस के भूपिंदर सिंह हुड्डा की झोली में जातीं।

अब, बीरेंद्र सिंह और उनके पुत्र की कांग्रेस में वापसी होने से, जाटों में पार्टी की साख में बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाने के पीछे भाजपा की मंशा यही है कि शायद इससे मनोहर लाल खट्टर के राज से मतदाताओं में बनी नाराजगी से पार पाया जा सकेगा। किंतु खट्टर सरकार के नौ वर्षीय शासन में गैर–जाट वोटें लामबंद भी होने लगीं। यह चाल कारगर हो भी सकती है या नहीं भी, किंतु जो सामने दिखाई दे रहा है, वह यह कि भाजपा की चुनावी रणनीति स्थानीय मुद्दों, सत्ता विरोधी रुझान और अन्य सामाजिक कारकों की समझ पर आधारित है। क्या ये उपाय बेरोजगारी द्वारा उत्पन्न संत्रास का तोड़ बन पाएंगे?

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनोमी (सीएमआईई) के अनुसार जनवरी, 2023 में हरियाणा की बेरोजगारी दर (37.4 फीसदी) देशभर में सबसे बदतर रही। बेशक हरियाणा सरकार ने इस पर सवाल उठाए थे, और सीएमआईई के डाटा को अंतिम सत्य की तरह न लेकर महज सूचकांक की तरह लेना चाहिए। हरियाणा के आर्थिक संताप और भाजपा के राजनीतिक टोटकों को देखना रोचक है दृयानी मुख्यमंत्री बदलने और वोट विभक्त करने वाली रणनीति।

हर वह सूबा जिसका असर सकल परिणामों पर अधिक है दृ बशर्ते मुकाबला दो–ध्रुवीय न हो दृ और कई बार उन राज्यों में भी जहां पर दांव पर लगाने को अधिक नहीं है, भाजपा ने गठबंधन करने, वोट–विभक्त रणनीति, दल–बदल करवाने और सामाजिक शक्तियों को साथ लाने की कला बरती है। मसलन, बिहार में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी, कर्नाटक में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और महाराष्ट्र में शिव सेना और एनसीपी से छिटके गुटों को साधकर साथ मिलाना। इन राज्यों में कुल मिलाकर 196 संसदीय सीटों के रूप में भारी गिनती दांव पर है और उक्त समस्त उपाय समस्या–निवारण रणनीति के तहत किए हैं। इन 196 सीटों में, भाजपा नीत एनडीए ने 2019 में 170 पर जीत हासिल की थी। लगता है भाजपा ने व्याप्त आर्थिक संताप से उपजी चिंताओं का पूर्वानुमान लगाकर ही इन तमाम राज्यों में चुनावी कलाबाजी की है। अब सवाल यह है दृक्या बेरोजगारी और महंगाई से बनी नाराजगी से भाजपा को इतना करारा झटका मिलेगा जिसकी ताव उपरोक्त पैंतरेबाजी वाले उपाय भी न झेल पाएं? साल 2004 में, मतदाता के आर्थिक कष्ट ने भाजपा को चुपचाप सत्ताच्युत कर दिया था, वह भी कांग्रेस द्वारा जीत के लिए खास जोर लगाए बिना। भाजपा के तत्कालीन बड़े नेता प्रमोद महाजन ने चुनाव के बाद स्वीकार किया था कि गरीबों ने उनकी सरकार गिरा दी। लेकिन इस बार स्थिति अलग है। सरकार को पता है कि भविष्य उसके लिए क्या हो सकता है। लिहाजा प्रत्येक सूक्ष्म स्तर पर प्रबंधन किया है और प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषणों में अपनी सरकार द्वारा गरीबों की मुश्किलें दूर करने के लिए चलाई सामाजिक भलाई योजनाओं का जिक्र करते हैं। क्या यह उपाय कारगर होगा? अभी तक तो, गरीबों का गुस्सा चुप्पी साधे हुए है और असंतोष की सुनामी में बदलने के संकेत हाल–फिलहाल दिखाई नहीं दे रहे।

# फीके चुनाव में माहौल और मुद्दे

**–विनीत नारायण–**




इस बार का चुनाव बिल्कुल फीका है। एक तरफ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा हिंदू, मुसलमान, कांग्रेस की नाकामियों को ही चुनावी मुद्दा बनाए हुए है, वहीं चार दशक में बढ़ी सबसे ज्यादा बेरोजगारी, किसान को फसल के उचित दाम न मिलना, बेइंतहा महंगाई और तमाम उन वायदों को पूरा न करना जो मोदी जी ने 2014 व 2019 में किए थे–ऐसे मुद्दे हैं जिन पर भाजपा का नेतृत्व चुनावी सभाओं में कोई बात ही नहीं कर रहा। 'सबका साथ सबका विकास' नारे के बावजूद समाज में जो खाई पैदा हुई है, वह चिंताजनक है। रोचक बात यह है कि 2014 के लोकसभा चुनाव को मोदी जी ने गुजरात मॉडल, भ्रष्टाचारमुक्त शासन और विकास के मुद्दे पर लड़ा था। पता नहीं 2019 में और इस बार क्यों वे इनमें से किसी भी मुद्दों पर बात नहीं कर रहे हैं? इसलिए देश के किसान, मजदूर, करोड़ों बेरोजगार युवाओं, छोटे व्यापारियों यहां तक कि उद्योगपतियों को भी मोदी जी के भाषणों में रूचि खत्म हो गई है। उन्हें लगता है कि मोदी जी ने उन्हें वायदे के अनुसार कुछ भी नहीं दिया। बल्कि बहुत से मामलों में तो जो कुछ उनके पास था, वो भी छीन लिया गया। इसलिए यह विशाल मतदाता वर्ग भाजपा सरकार के विरोध में है। हालांकि वह अपना विरोध खुलकर प्रकट नहीं कर रहा।

पर यहां यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि प्रति व्यक्ति हर महीने 5 किलो अनाज मुफ्त बांटने का मोदी जी का फार्मूला कारगर रहा है, जिन्हें ये अनाज मिल रहा है वे कहते हैं कि इससे पहले कभी किसी सरकार ने उन्हें ऐसा कुछ नहीं दिया। इसलिए वे मोदी जी के समर्थन में हैं। पर इस मुद्दे पर बुद्धिजीवियों और अर्थशास्त्रियों की राय भिन्न है। वे कहते हैं कि अगर मोदी जी ने अपने वायदे के अनुसार हर साल 2 करोड़ युवाओं को रोजगार दिया होता तो अब तक 20 करोड़ युवाओं को रोजगार मिल जाता। तब हर युवा अपने परिवार के कम से कम 5 सदस्यों का भरण–पोषण कर लेता। इस तरह भारत के 100 करोड़ लोग सम्मान की जिंदगी जी रहे होते। जबकि आज 80 करोड़ लोग 5 किलो राशन के लिए भीख का कटोरा लेकर जी रहे हैं।

दूसरी तरफ वे लोग हैं, जो मोदी जी के अंधभक्त हैं। जो हर हाल में मोदी सरकार फिर से लाना चाहते हैं। वे मोदी जी के 400 पार के नारे से आत्ममुग्ध हैं। मोदी सरकार की सब नाकामियों को वे कांग्रेस शासन के मत्थे मढ़कर पिंड छुड़ा लेते हैं। क्योंकि इन प्रश्नों का कोई उत्तर उनके पास नहीं है। अभी यह बताना असंभव है कि इस कांटे की टक्कर में ऊंट किस करवट बैठेगा। क्या विपक्षी गठबंधन की सरकार बनेगी या मोदी जी की? सरकार जिसकी भी बने, चुनौतियां दोनों के सामने बड़ी होंगी। मान लें कि भाजपा की सरकार बनती है, तो क्या हिंदुत्व के एजेंडे को इसी आक्रामकता से, बिना सनातन मूल्यों की परवाह किए, बिना सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन किए सब पर थोपा जाएगा, जैसा पिछले 10 वर्षों में थोपने का प्रयास किया गया। इसका मोदी जी को सीमित मात्रा में राजनीतिक लाभ भले ही मिल जाए, हिंदू धर्म और संस्कृति को स्थाई लाभ नहीं मिलेगा।

भाजपा व संघ दोनों ही हिंदू धर्म के लिए समर्पित होने का दावा करते हैं, पर सनातन हिंदू धर्म के मूल सिद्धांतों से परहेज करते हैं। सैंकड़ों वर्षों से हिंदू धर्म के स्तंभ रहे शंकराचार्य ये मानते हैं कि जिस तरह का हिंदुत्व मोदी और योगी राज में पिछले कुछ वर्षों में प्रचारित और प्रसारित किया गया, उससे हिंदू धर्म का मजाक ही उड़ा है। केवल नारों और जुमलों में ही हिंदू धर्म का हल्ला मचाया गया। हां उज्जैन, काशी, अयोध्या, केदारनाथ आदि धर्मस्थलों पर भगवान के विशाल मंदिरों के निर्माण से हिंदू समाज में अपनी पहचान के लिए जागरूकता बढ़ी है। पर इसके अलावा जमीन पर ठोस ऐसा कुछ भी नहीं हुआ, जिससे ये सनातन परंपरा पल्लवित–पुष्पित होती। इस बात का हम जैसे सनातनधर्मियों को अधिक दुख है। क्योंकि हम साम्यवादी विचारों में विश्वास नहीं रखते। हमें लगता है कि भारत की आत्मा सनातन धर्म में बसती है और वो सनातन धर्म विशाल हृदय वाला है जिसमें नानक, कबीर, रैदास, महावीर, बुद्ध, तुकाराम, नामदेव सबके लिए गुंजाइश है। वह संघ और भाजपा की तरह संकुचित हृदय नहीं है, इसलिए हजारों साल से पृथ्वी पर जमा हुआ है। जबकि दूसरे धर्म और संस्कृतियां अपनी अहंकारी नीतियों के कारण कुछ सदियों के बाद धरती के पर्दे पर से गायब हो गईं।

संघ और भाजपा के राजनीतिक हिंदू एजैंडे से उन सब लोगों का दिल टूटता है, जो हिंदू धर्म और संस्कृति के लिए समर्पित हैं, ज्ञानी हैं, साधन–संपन्न हैं पर उदारमना भी हैं क्योंकि ऐसे लोग धर्म और संस्कृति की सेवा डंडे के डर से नहीं, बल्कि श्रद्धा और प्रेम से करते हैं। जिस तरह की मानसिक अराजकता पिछले 5 वर्षों में भारत में देखने में आई है, उसने भविष्य के लिए बड़ा संकट खड़ा दिया है। अगर यह ऐसे ही चला, तो भारत में दंगे, खून–खराबे और बढ़ेंगे जिसके परिणामस्वरूप भारत का विघटन भी हो सकता है। इसलिए संघ और भाजपा को इस विषय में अपना नजरिया क्रांतिकारी रूप में बदलना होगा। तभी आगे चलकर भारत अपने धर्म और संस्कृति की ठीक रक्षा कर पाएगा, अन्यथा नहीं। अलबत्ता हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अगर संघ का संगठन सक्रिय रहता है तो सनातनधर्मियों को अच्छा लगेगा।

जहां तक 'इंडिया' गठबंधन की बात है, यह आश्चर्यजनक तथ्य है कि समय और अवसर दोनों प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हुए भी इस गठबंधन का सामूहिक नेतृत्व वह एकजुटता और आक्रामकता नहीं दिखा पा रहा जो उसे बड़ी सफलता की ओर ले जा सकती थी। फिर भी 'इंडिया' के समर्थकों का विश्वास है कि इस बार का चुनाव 'विपक्ष बनाम भाजपा' नहीं बल्कि आम 'जनता बनाम भाजपा' की तर्ज पर लड़ा जाएगा, जैसा आपातकाल के बाद 1977 में लड़ा गया था। वैसे अगर राज्यवार आंकलन किया जाए तो गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और कुछ हद तक राजस्थान को छोड़ कर कोई भी प्रांत ऐसा नहीं है जहां भाजपा विपक्षी दलों के सामने कमजोर नहीं है। ऐसे में कुछ भी हो सकता है।

लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि मतभेदों का सम्मान किया जाए, समाज के हर वर्ग को अपनी बात कहने की आजादी हो, चुनाव जीतने के बाद, जो दल सरकार बनाए, वो विपक्ष के दलों को लगातार कोसकर या चोर बताकर, अपमानित न करें, बल्कि उसके सहयोग से सरकार चलाए क्योंकि राजनीति के हमाम में सभी नंगे हैं। चुनावी बांड के तथ्य उजागर होने के बाद यह स्पष्ट है कि मोदी जी की सरकार भी इसकी अपवाद नहीं रही। इसलिए और भी सावधानी बरतनी चाहिए।

# मौत का कुंआ और जिन्दगी

**–दीपिका अरोड़ा–**

भूमिगत सीवर सिस्टम ने भले ही समूची व्यवस्था का प्रारूप बदलकर रख दिया हो लेकिन सफाई के लिए अत्याधुनिक संयंत्र प्रयोग करने के मामले में देश आज भी काफी पिछड़ा नजर आता है। सुरक्षा के लिहाज से सीवर सफाई कर्मियों को आवश्यक उपकरण तक उपलब्ध करवाना आवश्यक नहीं समझा जाता। यही कोताही अक्सर जानलेवा सिद्ध होती है। बीते दिनों, गुरदासपुर के चावा गांव में सीवरेज साफ करते समय विषैली गैस चढने से एक मजदूर की जान चली गई जबकि अन्य 2 मूर्छित हो गए। ऐसी ही घटनाएं वर्ष 2019 को अमृतसर में तथा 2017 को श्री मुक्तसर साहिब के मलोट तथा गिद्दड़बाहा में भी देखने को आई थीं, जहां प्रत्येक घटना में क्रमशरू 2–2–2 मजदूरों ने दम तोड़ दिया था। बीते मार्च माह, पलवल में भी प्राण घातक सीवरेज गैस ने 2 सफाई कर्मियों को मौत के आगोश में धकेल दिया, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल पाए गए।

'टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के तहत, 24 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (एन.सी.एस.के.) के पास उपलब्ध ताजा आंकड़ों के अनुसार, 1993 के बाद सीवरध्सैप्टिक टैंक से होने वाली मौतों के 1,248 मामलों में से 58 मामले अप्रैल, 2023 से इस साल मार्च तक हैं। सर्वाधिक मामले (11) तमिलनाडु में देखने में आए, पंजाब में इनकी संख्या 6 रही। देश के विभिन्न भागों में औसतन प्रतिदिन 2 सफाईकर्मी जिंदगी गंवा बैठते हैं।

विचारणीय है, 'मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट, 2013' के तहत किसी भी व्यक्ति को सीवर में भेजना पूर्णतरू प्रतिबंधित है। अगर विषम परिस्थिति में कोई व्यक्ति सीवर के अंदर भेजा जाता है तो इसके लिए 27 प्रकार के नियमों का पालन करना जरूरी है। संवैधानिक सुरक्षा उपाय व प्रावधानानुसार, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14, 17, 21 तथा 23 हाथ से मैला उठाने वालों को सुरक्षा–गारंटी प्रदान करता है। भूमिगत सफाई से पूर्व कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाना राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तथा मुंबई हाईकोर्ट द्वारा जारी दिशा–निर्देशों एवं सरकारी अध्यादेश, 2008 के अंतर्गत कानूनी प्रावधानों में शुमार होता है, बावजूद इसके ठेकेदारों द्वारा नियमित सफाई कर्मियों के अतिरिक्त संविदा व ठेके पर भर्ती मजदूर बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के मैनहोल में उतारना एक आम बात है। मानवीय अपशिष्ट तथा इनमें सम्मिलित अन्य हानिकारक पदार्थों के सीधे संपर्क में आने के कारण जहां गंभीर रोगों से ग्रसित होने की आशंका बढ़ जाती है, वहीं गहरे कुंडों में जमा रसायन, विषैली गैसें उत्पन्न करके दमघोंटू माहौल सृजित कर डालते हैं, जिसकी चपेट में आने से असामयिक मृत्यु होने का खतरा भी बना रहता है।

गत वर्ष अक्तूबर माह में सर्वोच्च न्यायालय ने सीवर सफाई के दौरान सफाई कर्मी की मौत होने पर मिलने वाला मुआवजा बढ़ाकर 30 लाख रुपए करने का आदेश दिया था। स्थायी दिव्यांगता होने पर न्यूनतम 20 लाख रुपए तथा अन्य प्रकार की दिव्यांगता में सरकारी अधिकारियों द्वारा पीड़ित पक्ष को 10 लाख रुपए अदा करने की बात भी कही। 'प्रतिषेध तथा पुनर्वास अधिनियम, 2013' इस कुप्रथा के उन्मूलन हेतु प्रतिबद्ध है किंतु 'केंद्रीय सामाजिक व अधिकारिता मंत्रालय' द्वारा जून, 2023 में जारी आंकड़े बताते हैं, 766 में से मात्र 508 जिले स्वयं को हाथ से मैला ढोने की प्रथा से मुक्त घोषित कर पाए। निश्चय ही, यह विसंगति प्रथा की वास्तविक स्थिति व सरकारी प्रयासों की प्रभावशीलता को लेकर ङ्क्षचता उत्पन्न करती है।

आर्थिक सुदृढ़ता की ओर कदम बढ़ाते भारतवर्ष में अधिकांश नगरपालिकाओं के पास सीवेज सिस्टम की सफाई हेतु नवीनतम संयंत्र उपलब्ध न होना आश्चर्यजनक है। ऐसी घटनाएं मजदूर कल्याण योजनाओं को धत्ता बताती प्रतीत होती हैं। जातिगत हाशिए पर धकेले समुदायों के लिए भरपूर आश्वासनों के बावजूद वैकल्पिक रोजगार अवसरों तक पर्याप्त पहुंच न होने के कारण, आजीविका के तौर पर 'मैनुअल स्कैवेंजिंग' स्वीकारना एक विवशता बन जाता है।

## बाइक की डिग्गी से एक लाख उड़ाने में दो गिरफ्तार

**संवाददाता—गोण्डा।** पुलिस ने सोमवार को चोरी के दो आरोपियों को 70 हजार नकद, अवैध और बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। एएसपी पश्चिमी राधेश्याम राय ने बताया कि खरगुपुर थाना क्षेत्र के फरेंदा शुक्ल के निवासी राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय ने बीते 11 अप्रैल को इंडियन बैंक शाखा आर्यनगर से 103000 रुपए निकाले थे। वह एक लाख रुपये, चेक बुक,पैन कार्ड मोटरसाइकिल के डिग्गी में रखकर गोंडा बहराइच मार्ग पर कस्बा आर्यनगर के चौबे होटल के पास चाय पीने लगे। इसी बीच दुकान के सामने खड़ी मोटरसाइकिल की डिग्गी में रखे रुपये, चेक बुक,पैन कार्ड सहित सभी अभिलेख उठा दो लोग उठा ले गए। इस पर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू कर दी थी। एसपी विनीत जायसवाल ने मामले का खुलासा करने के लिए अधीनस्थों को निर्देश दिए थे। पुलिस व एसओजी, सर्विलांस टीम ने घटना को गंभीरता से लेते हुए सोमवार को दो लोगों को थाना क्षेत्र के गोंडा बहराइच मार्ग पर ठडवरिया जगदीशपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया।

## बार–बार कार्यकाल बढ़ने पर कर्मचारी संघ ने उठाए सवाल

**संवाददाता—गोण्डा।** संविदा कर्मियों की सेवा प्रदाता कंपनी के कार्यकाल बढ़ने पर बिजली कर्मचारी संघ ने मोर्चा खोल दिया है। सेवा प्रदाता प्राइम इन वन का कार्यकाल एक बार फिर बीते फरवरी में छह माह के लिए बढ़ा दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस सेवा प्रदाता कंपनी का कार्यकाल दिसम्बर 2022 में खत्म हो चुका है। कर्मचारियों के आरोप है कि तब से लेकर उपकेन्द्रों के साथ साथ फीडरों की संख्या में इजाफा हुआ है। लेकिन न तो कर्मियों की संख्या बढ़ाई जा रही है और न उनकी सहूलियतें। इसके अलावा कई संविदा कर्मियों को मनमानी से निकाल दिया गया है। कर्मचारी संघ की मांग है कि उन्हें तत्काल सेवा बहाल करने के बाद मामले की जांच कराई जाए। प्रांतीय महामंत्री राम कृपाल यादव ने बताया कि नियमों को दरकिनार करके बार बार सेवा प्रदाता कंपनी के कार्यकाल आखिर क्यों बढ़ा दिए जा रहे हैं, इसको लेकर कार्पोरेशन के चेयरमैन व एमडी मध्यांचल से पत्राचार किया गया हैं। नियमों के मुताबिक किसी भी कंपनी के कार्यकाल को अधिकतम तीन बार एलओआई देकर बढ़ाई जा सकती है। मौजूदा सेवा प्रदाता की निविदा दिसम्बर 2022 में खत्म हो चुकी है। विभाग के उच्चाधिकारियों की इस मेहरबानी को लेकर निशाना साधा है। वहीं जिला महामंत्री आद्या प्रसाद तिवारी ने बताया कि संघ का प्रतिनिधि मंडल विभाग के एसई से मिलकर संविदा कर्मियों की समस्याओं के निराकरण कराने की मांग किया है। जिले में निर्बाध आपूर्ति के लिए उपकेन्द्रों के संचालन में कम से 15 से 18 कर्मियों की जरुरत है। लेकिन मौजूदा समय में 45 उपकेन्द्रों के करीब 250 फीडरों पर सिर्फ 695 कर्मचारी तैनात है। जो कि एक उपकेन्द्र पर ढंग से पांच कर्मी भी नहीं मिल रहे हैं। वही लाइन पर काम करने में सहूलियतों की अनदेखी की जा रही है और ईपीएफ का भुगतान नहीं हो पा रहा है।

## हर साल पौधरोपण, फिर भी जंगल होता जा रहा वीरान

**संवाददाता—श्रावस्ती।** हरदत्तनगर गिरंट का जंगल वन कम बगीचा अधिक लग रहा है। हर साल लाखों की संख्या में पौधे लगाए जाते हैं। फिर भी कीमती पेड़ों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। देख रेख के अभाव में पौधे सूख जा रहे हैं और कीमती पेड़ों पर माफिया आरा चला रहे हैं।

विकास क्षेत्र जमुनहा के हरदत्त नगर गिरंट रेंज का जंगल दिनो दिन वीरान होता जा रहा है। 1156.92 हेक्टेयर में फैले जंगल को दो बीटों में बांटा गया है। जिसमें सुजानडीह बीट जंगल 552.14 हेक्टेयर भूमि पर फैला है। जबकि औसानकुंडी बीट जंगल 604.78 हेक्टेयर भूमि पर फैला है। सुजानडीह बीट जंगल की सुरक्षा करने वाले वनकर्मियों में एक वनदरोगा, एक वनरक्षक, दो माली,12 दैनिक श्रमिक वाचर हैं जबकि औसानकुंडी जंगल में सुरक्षा करने वाले वनकर्मियों एक वनदरोगा, एक वनरक्षक, एक माली, एक डाकिया,आठ दैनिक श्रमिक वाचर हैं।

वन विभाग की ओर से सुजानडीह बीट जंगल में 70 हेक्टेयर भूमि पर लाखों की संख्या में पौधरोपण कराया गया था। इसी तरह से औसानकुंडी बीट जंगल में भी 70 हेक्टेयर भूमि पर पौधरोपण कराया गया था। जिसमें लाखों की संख्या में पौधे शामिल थे। लेकिन स्थिति यह है कि जंगल वीरान होता जा रहा है। जंगल में पेड़ों की संख्या बढ़ने के बजाय कम होती जा रही है। गिरंट जंगल में कीमती लकड़ियों के पेड़ हैं। जिसमें सागौन,असना, जामुन, बेल, बांस आदि शामिल हैं। कभी इस जंगल में आंवला और महुआ के पेड़ भी थे। लेकिन धीरे धीरे आंवला और महुआ के पेड़ कम होते गए।

गिरंट जंगल की रक्षा के लिए वनकर्मियों की तैनाती है। जंगल गश्त के दौरान वन माफियाओं को लकड़ी सहित पकड़ा भी जाता है। लेकिन अवैध कटान नहीं रुक रही है। हरदत्त नगर गिरंट जंगल के नजदीक चौराहों पर फर्नीचर की दुकानों पर साखू , सागौन की लकड़ियों से सोफा, कुर्सी,मेज, चारपाई बना कर बेचे जा रहे हैं। गिरंट जंगल के आसपास गांव अधिक हैं। लगातार निगरानी की जाती है। राम मिलन वनक्षेत्राधिकारी हरदत्त नगर गिरंट रेंज ने कहा कि जंगल में स्थानीय लोगों का अधिक दबाव रहता है। जो भी अवैध कटान करते पकड़े जाते हैं। उन पर वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाती है।

## तेज रफ्तार स्कार्पियो ने ई रिक्शा व साइकिल सवार को रौंदा, मौत

**संवाददाता—बहराइच।** बहराइच– गोंडा हाईवे के कौरेमऊ गांव के पास सोमवार सुबह तेज रफ्तार स्कार्पियो खड़े ई रिक्शा में टक्कर मारकर साइकिल सवार मजदूर को रौंदते हुए चालक सहित फरार हो गए। हादसे में एक की मौत हो गई। चार घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। एक घायल को चिकित्सकों ने डिस्चार्ज कर दिया है।

देहात कोतवाली के बरोहवा निवासी 35 वर्षीय मनीष कुमार सिंह पुत्र अनिल कुमार सिंह ई रिक्शा चलाते हैं। वह सोमवार सुबह छह बजे कौरेमऊ नहर के पास रिक्शा खड़ा कर सवारी बिठा रहे थे। उनके रिक्शे में मठियाही गांव निवासी फल विक्रेता 40 वर्षीय मिढ़ई पुत्र गुरुचरन, खीरा विक्रेता 17 वर्षीय सत्यम पुत्र विनोद, सब्जी विक्रेता 40 वर्षीय विजय पुत्र घनश्याम सवार हुए। यह तीनों यात्री सब्जी व फल मंडी जा रहे थे। मनीष और सवारी के इंतजार में था। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कार्पियो ने ई रिक्शे में टक्कर मारते हुए साइकिल सवार ईंट भट्ठा श्रमिक माफी गांव निवासी 35 वर्षीय विनोद कुमार पुत्र राम अधार को रौंदता हुआ चालक वाहन सहित फरार हो गया।

ई रिक्शा सवार चालक सहित पांचों लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर तत्काल पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। डा. भरत पांडेय ने बताया कि एक घायल विजय की रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। मिढ़ई को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। कोतवाल बृजेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज किया जाएगा।

## भक्ति में लीन पुजारी ने ली 72 घंटे की भू–समाधि

**संवाददाता—गोण्डा।** कोतवाली क्षेत्र के कटरा शहबाजपुर स्थित सदाशिव मंदिर के पुजारी ने नवरात्र में मां की भक्ति में लीन होकर 72 घंटे की भू–समाधि ले ली है। सोमवार की सुबह कटरा शहबाजपुर के मेला बगिया में स्थित सदा शिव मंदिर के पुजारी धर्मराज परमहंस महाराज ने विधि विधान से पूजन अर्चन के बाद 10 फिट गहरे गड्ढे में 72 घंटे के लिए भूमि–समाधि ले ली। इस दौरान बाबा के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भू–समाधि लेने से पहले पुजारी ने एक पर्चे पर सक्षम अधिकारियों को संदेश लिखा कि मौं काली भवानी जगदंबा की प्रेरणा से हम स्वेच्छा से समाधि लेने जा रहे हैं। मंदिर परिसर में भक्तों के सहयोग से 72 घंटे तक श्रीरामचरित मानस पाठ के विधिवत पूजन अर्चन का कार्य चल रहा है। मेला बगिया परिसर में स्थित सदा शिव मंदिर में भोलेनाथ की शिव लिंग, मौं काली व मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित है। वहीं राम जानकी मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है।नवरात्र के माह में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

## फांसी के फंदे से लटकी मिली अधेड़ की लाश

**संवाददाता—श्रावस्ती।** संदिग्ध परिस्थितियों में एक 45 वर्षीय अधेड़ की लाश फांसी के फंदे से लटकी पाई गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं फारेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल किय। कोतवाली मिनगा क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिपरी के मजरा श्रीनगर गांव में रविवार रात राम तीरथ (45) पुत्र नीबर क शव फांसी के फंदे से लटका पाया गया। बताया जाता है कि शाम को राम तीरथ का उसकी पत्नी के बीच गेहूं बेचने को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद पत्नी नाराज होकर घर से कहीं चली गई। वहीं राम तीरथ अपने कमरे में चला गया। काफी देर बीतने के बाद भी वह अपने कमरे से बाहर नहीं आया। इस पर लोगों को अनहोनी की आशंका हुई। लोगों ने कमरे में जाकर देखा तो राम तीरथ की लाश फांसी के फंदे से लटक रही थी। लोगों की ओर घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही लक्ष्मनपुर पुलिस चौकी प्रभारी योगेश कुमार सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस की ओर से पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं मिनगा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक महिमानाथ उपाध्याय ने फारेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया की मृतक बीमार रहता था। मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सही कारण की जानकारी हो पाएगी।

## तपती धूप में बिलबिलाए जाम में फंसे लोग

**संवाददाता—गोण्डा।** शहर के उतरौला रोड व महिला अस्पताल के आसपास में दोपहर लगभग एक बजे के बाद से भीषण जाम लगा रहा। तल्ख धूप की तपिश से राहगीर परेशान रहे। इस दौरान जाम हटाने वाला कोई जिम्मेदार यातायात और पुलिस कर्मी नही दिखा। हालाकि तेज धूप की वजह से दोपहर में होमगार्ड और पुलिस के जवान भी सड़क किनारे दुकानों या पेड़ों की छांव में खड़े नजर आए।

सोमवार को गुरुनानक चौराहे से महराजगंज चौराहा तक भीषण जाम लगना शुरू हो गया। एक बजे दोपहर गुड्डमल चौराहे से लेकर उतरौला रोड पूरा जाम हो गया। इस दौरान वाहनों की लंबी लाइन लग गई। बाइक सवार मालवीय नगर और दयानंद नगर की संकरी गलियों से निकलने पर मजबूर हुए। जाम में फंसे लोग बुरी तरह परेशान रहे लेकिन उनको राहत घंटों नही मिल सकी। जाम मे फंसे किशन कन्नौजिया और संजय ने बताया इस मार्ग पर जाम की समस्या से आम हो गई है। इसके अलावा भी रोज कई स्थानों पर यातायात बाधित बना रहता है। थोड़ी ही देर में ही वाहनों की लंबी लाइनें लग जाती है। जिससे पैदल व्यक्ति परेशान रहता है।

वही अपनी पत्नी के साथ जाम में फसे बाइक सवार राजन ने बताया नगर में भारी वाहन भी तंग गलियों में घुसकर जाम की समस्या को और बढ़ा देते हैं। नगर में आए दिन जाम की समस्या को देखते हुए लोगों ने प्रशासन, पुलिस व नगर पालिका परिषद से इसका समाधान करने की मांग की है। इस संबंध में यातायात प्रभारी जगदम्बा गुप्ता ने बताया कि अयोध्या हाईवे पर वाहन का रूट डायवर्ट किया गया है। इसके चलते शहर की सड़कों पर जाम की स्थिति है। रूट डायवर्जन खत्म होने पर यातायात व्यवस्था सुचारु हो जाएगी।

## रामनगरी में विश्व कल्याण के लिए श्री राम महायज्ञ में पढ़ रही हैं सवा दो लाख आहुतियां

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। कायाकल्पि बर्फानी दादा के आशीर्वाद और सिद्ध पीठ संकट मोचन हनुमान किला के पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज के सानिध्य में जगत कल्याण के लिए भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर चल रहे 9 दिन से श्री सीताराम नाम महायज्ञ में पढ़ रही हैं आहुतियां नौ दिनों में 225 000 आहुतियां वैदिक विद्वानों के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ डाली जाएगी। वही भगवान के जन्मोत्सव की भी तैयारी पूरी हो गई है यज्ञ हवन के साथ मंदिर में नवाहपारयण पाठ और सांध्य कालीन सत्र में बधाई गीत भी हो रहे हैं।17 अप्रैल को प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव तक प्रतिदिन विद्वानों द्वारा आहुतियां डाली जाएंगी।

संकट मोचन हनुमान किला पीठाधीश्वर महंत परशुराम दास महाराज ने बताया कि प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के उद्देश्य से 2011 से प्रारंभ हुई श्री सीताराम नाम महायज्ञ का यह 14 वां वर्ष है फैसला आने के बाद यह निर्णय लिया गया की महायज्ञ को बंद नहीं किया जाएगा बल्कि मानव कल्याण और जगत कल्याण के लिए यह अनुष्ठान प्रभु श्री राम लला के जन्मोत्सव के अवसर पर प्रतिवर्ष निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व शांति के लिए भी संकल्प लिया गया है क्योंकि मानवता के ऊपर बहुत बड़ा संकट है विश्व में उथल–पुथल मचा हुआ है जगह–जगह युद्ध हो रहे हैं लोग एक दूसरे को मार काट रहे हैं इसलिए प्रभु श्री राम लला से यह प्रार्थना की गई है कि विश्व में शांति हो और प्रत्येक मनुष्य एक दूसरे के साथ प्रेम भाव से विचरण करें। आचार्य कुलदीप तिवारी के दिशा निर्देशन में वैदिक विद्वान एवं मुख्य यजमान शशिकांत शर्मा सहित सैकड़ों लोग यज्ञ में आहुति डाल रहे है।

## श्री रामनवमी पर श्रद्धालुओं को वैद्य मंदिर की तरफ से किया जा रहा है प्रसाद वितरण

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। श्रीरामजन्मोत्सव के पावन अवसर पर सोमवार को वैद्य जी का मंदिर श्रृंगारहाट की तरफ से श्रद्धालुओं हेतु तीन दिवसीय लंगर का भव्य शुभारंभ हुआ। यह लंगर श्रीरामशरण दास जी वैद्य धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट की तरफ से संचालित है। जिसे वैद्य जी का मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत राजेंद्र दास महाराज अपना संयोजन प्रदान कर रहे हैं। सर्वप्रथम सायंकाल चार बजे भगवान के भोग, आरती–पूजन पश्चात भंडारे शुरू हुआ, जिसका सिलसिला देरराति तक चलता रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लंगर में कढ़ी–चावल प्रसाद छका। भगवान का प्रसाद पाकर श्रद्धालुगण धन्य हुए। इस अवसर पर वैद्य जी का मंदिर के वर्तमान पीठाधिपति महंत राजेंद्र दास महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष मठ की तरफ श्रीरामजन्मोत्सव पर भंडारे का आयोजन किया गया है। तीन दिवसीय भंडारे का शुभारंभ सोमवार को मंदिर के सामने हो चुका है। स्टाल लगाकर श्रद्धालुओं को कढ़ी–चावल वितरित किया जा रहा है। प्रथम दिन हजारों श्रद्धालुओं को कढ़ी–चावल बांटा गया। प्रसाद ग्रहण कर श्रद्धालु, भक्तों ने अपना जीवन सार्थक किया। लंगर के दूसरे दिन भी कढ़ी–चावल प्रसाद का वितरण किया जायेगा। 17 अप्रैल अर्थात रामनवमी के दिन सुबह से श्रद्धालुओं और भक्तगणों को शरबत वितरित होगा। शरबत वितरण का सिलसिला सुबह से शुरू होकर देर शाम तक चलेगा।

## गेहूं फसल काटकर डीएम ने किया उत्पादन का ऑकलन

**संवाददाता—बलरामपुर।** रवी सीजन की मुख्य फसल गेहूं की उत्पादकता एवं उत्पादन के ऑकड़े इकट्ठा किए जाने के लिए डीएम अरविंद सिंह ने सोमवार को सदर तहसील के महादेव मिश्र गांव में क्राप कटिंग कर स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने गांव के इशराइल पुत्र रमजान के खेत में गेहूं फसल की कटाई कर पैदावार की जानकारी ली।

इस दौरान जिलाधिकारी ने खेत में फसल काटकर उपज का ऑकलन किया। उन्होंने भू अभिलेख की जांच करते हुए किसान को खेती से सम्बन्धित नई तकनीक के बारे में जानकारी भी दी। क्राप कटिंग के दौरान 100 वर्ग मीटर के त्रिकोण में फसल काटकर वजन कांटे पर माप किया गया, जिसमें गेहूं फसल का उत्पादन 31.813 कुंतल प्रति हेक्टेयर पाया गया। जनपद में किसानों के हित में फसल उत्पादन को बढ़ाने के लिए डीएम अरविंद सिंह की ओर संस्तुतियों सहित शासन को पत्र लिखा जाएगा। जिससे कम लागत पर फसल उत्पादन होने से किसानों की आमदनी बढ़ सकेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि क्राप कटिंग में रैंडम आधार पर खेतों को चुना जाता है, जिनकी उत्पादकता का ऑकलन त्रिकोणीय आकृति में फसल को काटकर उसकी उत्पादकता देखी जाती है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने फसल बीमा योजना के तहत बीमा करा रखा है। अगर जनपद में उत्पादकता मानकों से कम रहती है तो उन किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ दिया जाएगा। डीएम ने कहा कि फसल बीमा योजना से आच्छादित सभी किसानों को आंधी, तूफान, अतिवृष्टि, कम उत्पादन आदि की दशा में क्षतिपूर्ति प्रदान किया जाएगा। इसके लिए बीमा कंपनियों को सचेत कर दिया गया है। क्राप कटिंग के दौरान तहसीलदार सदर, अपर सांख्यकी अधिकारी सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

## रेलवे ट्रैक के किनारे मिला अज्ञात महिला का शव

**संवाददाता—देवरिया।** थाना क्षेत्र के बेलपार पेट्रोल पंप के सामने रेलवे ट्रैक के किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिलने से हड़कम्प मच गया। सूचना पाकर पहुची पुलिस शव की पहचान कराने में जुट गई लेकिन पहचान नही हो सका। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

बेलपार पेट्रोल पंप के सामने अप रेलवे ट्रैक की किनारे सोमवार की सुबह 50 वर्षीय महिला का शव देख कर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुची पुलिस शव के शिनाख्त में जुट गई लेकिन शिनाख्त नही हो सका। ग्रामीणो में आशंका व्यक्त है कि महिला की रात में किसी ट्रेन से गिरने से मौत हो चुकी है। उसके सिर में गंभीर चोट है। महिला साड़ी पहनी है और उसकी उम्र करीब पचास साल है। थानाध्यक्ष भाटपाररानी दिलीप कुमार पांडेय ने बताया कि शव का शिनाख्त नही हुआ है। पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

## 17 अप्रैल दोपहर 12 बजकर 16 मिनट पर रामलला का अभिषेक करेंगी सूर्य किरणें, सुबह 3.30 बजे से होंगे दर्शन

**संवाददाता—अयोध्या।** रामनवमी के दिन राम लाल भक्तों को 19 घंटे दर्शन देंगे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने केवल राम जन्मोत्सव के दिन यानी 17 अप्रैल को ही दर्शन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। राम जन्मोत्सव के दिन सुबह 3:30 बजे से ही भक्त दर्शन के लिए लाइन में लग सकेंगे। रात 11 बजे तक श्रृंगार, राग–भोग व दर्शन साथ–साथ चलते रहेंगे। रामनवमी मेले में श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि श्रीराम नवमी महोत्सव के दौरान मंगला आरती के बाद ब्रह्म मुहूर्त में अति प्रातः 3:30 बजे से अभिषेक, श्रृंगार एवं दर्शन साथ–साथ चलते रहेंगे। श्रृंगार आरती प्रातः 5:00 बजे होगी। श्री रामलला का दर्शन एवं सभी पूजा–विधि यथावत साथ–साथ चलती रहेगी। भगवान को भोग लगाने के लिए समय–समय पर अल्प–काल को पर्दा रहेगा। रात्रि 11:00 बजे तक दर्शन का क्रम पूर्ववत चलता रहेगा। इसके बाद परिस्थिति अनुसार भोग एवं शयन आरती होगी। तीर्थ क्षेत्र की ओर से बताया गया कि रामनवमी पर शयन आरती के बाद मंदिर निकास मार्ग पर प्रसाद मिलेगा। दर्शनार्थी अपना मोबाइल, जूता, चप्पल, बड़े बैग एवं प्रतिबंधित सामग्री आदि मंदिर से दूर सुरक्षित रखकर आएं। बताया कि वीआईपी दर्शन पर रोक एक दिन बढ़ा दी गई है अब 19 अप्रैल तक वीआईपी दर्शन पर रोक रहेगी। सुगम दर्शन पास, वीआईपी दर्शन पास, मंगला आरती पास, श्रृंगार आरती पास एवं शयन आरती पास नहीं बनेंगे।

सुग्रीव किला के नीचे, बिड़ला धर्मशाला के सामने, श्री रामजन्मभूमि प्रवेश द्वार पर "श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र" की ओर से यात्री सेवा केंद्र बनाया गया है जिसमें जन–सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां श्रद्धालुओं के बैठने से लेकर इलाज तक के इंतजाम है। चंपत राय ने दोहराया कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर में संपन्न होने वाले सभी कार्यक्रमों का सजीव प्रसारण अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में लगभग 80 से 100 स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाकर किया जाएगा। राम मंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल राव ने बताया कि 16 और 18 अप्रैल को रामलला का दर्शन सुबह 6 बजे से ही शुरू हो जाएगा। अभी रामलला के दर्शन 6:30 बजे की श्रृंगार आरती के बाद शुरू होते हैं। चम्पत राय ने कहा है कि श्रद्धालुओं से अनुरोध है केवल राम नवमी के दिन सभी कार्यक्रमों का आनंद घर बैठे अथवा जो जहाँ हो, मोबाइल पर, टेलीविजन पर और स्थान–स्थान पर लगी हुई एल.ई.डी. स्क्रीन पर देखकर, प्रभु श्री राम जी की कृपा प्राप्त कर, जीवन धन्य करें। राम नवमी के बाद अपनी सुविधानुसार अयोध्या धाम आकर प्रभु श्री रामलला जी के दर्शन लाभ कर, प्रसाद ग्रहण करें। राम नवमी के दिन अनावश्यक भाग–दौड और परेशानी से बचें।

रामलला के मंदिर के बाद अब हनुमानगढ़ी का भी दर्शन शेड्यूल जारी किया गया है। पहली बार हनुमानगढ़ी में दर्शन की समय सारणी जारी की गई है। रामनवमी को देखते हुए 15 से 18 अप्रैल तक दर्शन का शेड्यूल जारी किया गया है। हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास की ओर से दर्शन की समय सारणी जारी की गई है । इसकी जानकारी देते हुए संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास ने बताया कि नया दर्शन शेड्यूल 15 अप्रैल से लागू हो गया है। नए शेड्यूल के अनुसार हनुमानगढ़ी पर सुबह 3:00 से 4:00 तक हनुमान जी की आरती पूजा और श्रृंगार होगा। दर्शनार्थियों का प्रवेश प्रातः 4:00 बजे से शुरू हो जाएगा। इसके बाद मंदिर का पट दोपहर 12:00 से 12:20 तक बंद रहेगा। भोग और आरती के लिए दर्शन प्रवेश प्रतिबंधित किया जाएगा। दोपहर 3:00 बजे से 3:20 तक आरती पूजा के लिए दर्शन बंद किया जाएगा। संध्या आरती में रात 10 बजे से 10:30 बजे तक श्रद्धालुओं का प्रवेश बाधित रहेगा। रात 11:30 पर हनुमानगढ़ी पर शयन आरती होगी। शयन आरती के बाद हनुमानगढ़ी बंद कर दिया जाएगा।

श्रद्धालुओं के लिए रामनवमी के दिन स्पेशल व्यवस्थाएं होगी।रामनवमी 17 अप्रैल को हनुमान जी का दर्शन पूजन और आरती का दौर रात 2:30 बजे से ही शुरू हो जाएगा। सुबह 3:30 पर दर्शनार्थियों का प्रवेश शुरू हो जाएगा। इसके बाद दोपहर 11:45 से 12:20 तक भगवान राम के जन्म आरती के लिए हनुमानगढ़ी का कपाट बंद रहेगा। रामनवमी को दोपहर की आरती 3:00 से 3:20 तक होगी। इसके बाद रात 10रू00 बजे 10:30 बजे तक संध्या आरती होगी संध्या आरती में भी प्रवेश बंद रहेगा। आमजन के लिए रात 11:30 बजे हनुमान लला का बंद पट हो जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि रामनवमी पर भगवान रामलला के ललाट पर सूर्य किरण 12:16 मिनट के करीब 5 मिनट तक पड़ेगी, इसके लिए महत्वपूर्ण तकनीकी व्यवस्था की जा रही है। वैज्ञानिक इस अलौकिक पलों को पूरी भव्यता से प्रदर्शित करने के लिए जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर का बचा हुआ कार्य भी दिसंबर 2024 तक पूरा हो जाएगा।

## श्री राम कथा अमृत कलश है –स्वामी राधेश्याम शास्त्री

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

अयोध्या। महंत नृत्यगोपाल दास महाराज की अध्यक्षता में महंत कमल नयन दास महाराज के पावन सानिध्य में श्री राम जन्मभूमि अयोध्या धाम के सुप्रसिद्ध कथावाचक, जगद्गुरु श्री राधेश्याम शास्त्री महाराज के श्रीमुख से श्री मणिराम दास छावनी सेवा ट्रस्ट योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय, अयोध्या धाम नौ दिवसीय श्री राम कथा के समापन सत्र में शास्त्री जी महाराज ने बताया कि श्री राम कथा वह अमृत कलश है जो कभी समाप्त नहीं होता और भगवान श्री राम के चरित्र श्रवण से इस अमृत रूपी गंगा से करोड़ों करोड़ों लोग तर जाते हैं यही कारण है कि श्री राम कथा का जहां भी गायन हो निश्चित रूप से सभी को श्रवण करना चाहिए क्योंकि यह अमृत रूपी गंगा सभी की नैया को पर लगा देती है।कथा का विस्तार देते हुए श्री महाराज जी ने रावण वध और प्रभु श्री राम के राजा अभिषेक की कथा को विस्तार से सुनाया और कहा कि कथा तो कहीं भी सुनी जा सकती है उसका फल भी मिलता है लेकिन अगर वह धाम में हो और सप्तपुरियों में प्रथम पुरी मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की जन्मस्थली में यह कथा श्रवण की जाए तो उसका फल कई गुना बढ़ जाता है और जन्म जन्मांतर के भवसागर से मनुष्य पर हो जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम का प्रादुर्भाव ही पृथ्वी पर जगत कल्याण और मर्यादा की स्थापना के लिए हुआ था आज भी लोग त्रेता युग में हमारे आराध्य ने शासन सत्ता का जो नियम बनाया था आज भी लोग उसी का पालन करते हैं, उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि गांधी जी ने भी आजादी के बाद अगर भारत में शासन सत्ता की कल्पना की तो रामराज्य जैसे शासन की कल्पना की और रामराज तभी आ सकता है जब सभी व्यक्ति मर्यादित हो और मर्यादा का पालन करें यह कार्य तभी संभव है जब मनुष्य सदाचरण करेगा और सदाचरण तभी करेगा जब उसको शास्त्रों का ज्ञान और यह तभी होगा जब मनुष्य प्रभु श्री राम के जीवन चरित्र की लीला को अवश करेगा क्योंकि प्रभु श्री राम का चरित्र केवल कथा नहीं उसमें जीवन जीने की शैली है पिता से पुत्र का पुत्री से पिता का भाई से भाई का पति से पत्नी का सब व्यवहार बताया गया है और जब राजा की बात आती है तो अन्य किसी राज्य की कल्पना नहीं की जाती क्योंकि राम राज्य में सभी लोग सुखी जीवन व्यतीत कर रहे थे यही कारण है की श्री राम कथा का जितना प्रचार होगा मनुष्य उतना मर्यादा का पालन करेगा और भारत में राम राज्य की स्थापना होगी। श्री राम कथा के मुख्य यजमान एवं आयोजक नंदकिशोर सक्सेना ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया।

## भाजपा ने देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला –राजीव

**संवाददाता—गोण्डा।** भाजपा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा ने कहा कि मोदी की गारंटी है कि अगले पांच वर्ष तक मुफ्त राशन योजना लागू रहेगी। भाजपा सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। दाल, खाद्य तेलों और सब्जियों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनकर गरीब की थाली को सुरक्षित बनाया है। जन औषधि केंद्र से सस्ती दवाएं देना जारी रखेंगे और इन केन्द्रों का विस्तार भी किया जाएगा। भाजपा सरकार ने गरीबों के लिए चार करोड़ पक्के घर बनाए हैं। अब 3 करोड़ और पक्के घर बनाने का संकल्प लिया गया है।

# आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली पत्नी प्रेमी संग गई जेल

**संवाददाता—गोरखपुर।** गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल नाकीन टोला बिचऊपुर में 35 वर्षीय युवक को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली पत्नी को पुलिस ने उसके प्रेमी के साथ सोमवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। 4 अप्रैल की सुबह अपने कमरे में युवक अचेत अवस्था में फंदे से लटकता मिला था। मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। युवक पिता ने पड़ोस में कबाड़ी की दुकान चलाने वाले युवक से बहू के अवैध संबंध में हत्या की आशंका जाहिर की थी। पुलिस ने आरोपित प्रेमी—प्रेमिका के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर उनकी तलाश कर रही थी।

मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के जंगल नाकीन टोला बिचऊपुर निवासी सुनील कुमार निषाद बाहर रहकर पेंट पॉलिश का काम करता था। 4 माह पहले विदेश से घर आया था। 4 अप्रैल की सुबह वह अपने घर में फंदे से लटकता मिला। परिवारीजन मेडिकल कॉलेज ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पिता का आरोप है कि जंगल अयोध्या प्रसाद टोला मलमलिया निवासी कबाड़ी जितेंद्र कुमार गुप्ता का उसकी बहू से पिछले चार वर्षों से अवैध संबंध है। अक्सर वह घर में देर रात आता जाता था। जिसको लेकर पति—पत्नी में पिछले कई दिनों से विवाद हो रहा था। अवैध संबंध को लेकर घटना से पहले की रात और सुबह 4 बजे विवाद हुआ था। जिसके बाद 4 अप्रैल की सुबह 6 बजे युवक फंदे से लटकता मिला। सांस चलता देख मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गयी थी, गुलरिहा पुलिस मृतक की पत्नी रीना और उसके प्रेमी जितेंद्र कुमार गुप्ता के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर दोनों की तलाश कर रही थी। सोमवार की सुबह गुलरिहा पुलिस आरोपित प्रेमी— प्रेमिका को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

# रामनवमी पर अयोध्या जा रही श्रद्धलुओं की डीसीएम टकराई, छह घायल

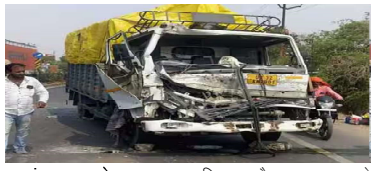



**संवाददाता—गोरखपुर।** राम नवमी में अयोध्या जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक डीसीएम सहजनवा थाना क्षेत्र में रहिमाबाद सरैया कट के पास हाइवे पर सोमवार को एक अन्य डीसीएम से टकरा गई। हादसे में छह लोग घायल हो गए उनमें तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि दूसरा डीसीएम मुड़ रहा था उसी दौरान तेज रफ्तार से आई श्रद्धालुओं से भरी डीसीएम टकरा गई।

गीडा थाना क्षेत्र के नौसढ़ से डीसीएम में करीब 12 की संख्या में श्रद्धालु राम नवमी में अयोध्या जा रहे थे। सहजनवां के पास हाइवे के रहिमाबाद सरैया कट पर मुड़ रहे एक डीसीएम से श्रद्धालुओं से भरा डीसीएम टकरा गया जिससे अकबरपुर अंबेडकरनगर निवासी चालक अशोक कुमार, नौसढ़ के रहने वाली श्याम दुलारी पत्नी सोमनाथ,संजू पत्नी रामसेवक,ज्योति पत्नी सुखे,व बेलीपार थाना क्षेत्र के महुआडाबर निवासी विकास दुबे आदि घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सीएचसी पहुंचाया। वहीं क्षतिग्रस्त वाहन का हाईवे से हटाकर यातायात शुरू कराया। घायल चालक अशोक कुमार के अलावा विकास दुबे व ज्योति की हालत गम्भीर बताई जा रही है। डॉक्टर ने तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

# उधार चिकन न देने पर बटखरे से दुकानदार का सिर फोड़ कर ले ली जान

**संवाददाता—गोरखपुर।** गुलरिहा थाना क्षेत्र के चक्खान मोहम्मद में शनिवार की शाम मुर्गे की दुकान पर दो सौ रुपए पुराने बकाया और उधार चिकन न देने पर ग्राहक और दुकानदार के बीच विवाद हो गया। ग्राहक ने बटखरे से मारकर सिर फोड़ दिया। घायल दुकानदार की सोमवार की सुबह मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोपी के खिलाफ गुलरिहा पुलिस केस दर्ज कर जेल भेज चुकी है। मौत के बाद इसमें गैर इरादत हत्या की धारा बढ़ाएगी।

क्षेत्र के करमहा निवासी मोहताज अली चक्खान मोहम्मद टोला सलेमपुर गांव के बाहर मुर्गे की दुकान चलता था। पत्नी आसमा का आरोप है कि शनिवार की शाम चक्खान मोहम्मद गांव निवासी धर्मेंद्र दुकान पर मुर्गा खरीदने गया था। वह पहले से दो सौ रुपए उधार लगा रखा था। धर्मेंद्र फिर से मुर्गा उधार मांगने लगा तो दुकानदार ने पिछला बकाया चुकता करने के लिए कहा। जिसके बाद दोनों में बहस और हाथापाई शुरू हो गई स धर्मेंद्र ने बटखरे से हमला कर दुकानदार का सिर फोड़ दिया था।

# जनम—जनम मुनि जतन कराही, अन्त राम कहि आवत नाहीं



## —9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ और श्रीराम कथा

**—भारतीय बस्ती संवाददाता—**

बस्ती । राम वियोगी का जीवन कैसा होना चाहिये इसका आदर्श जगत के समक्ष भरत ने प्रस्तुत किया। **''सुनहुं उमा ते लोग अभागी। हरि तज होहिं विषय अनुरागी।।** जब तक ईश्वर से जीव की मैत्री नहीं हो जाती जीवन सफल नहीं होता। कृष्ण और काम, राम और रावण एक साथ नहीं रह सकते। रामचन्द्र जी ने सुग्रीव को अपना मित्र बनाया क्योंकि सुग्रीव को हनुमान जी ने अपनाया है। ईश्वर के साथ प्रेम करना है तो दूसरों का प्रेम छोड़ना पड़ेगा। यह सद् विचार कथा व्यास अंकित दास ने श्रीराम जानकी मंदिर निपनिया चौराहा में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त दसकोलवा में आयोजित 9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ और श्रीराम कथा में व्यक्त किया।

राजा दशरथ का श्रीराम वियोग में निधन, श्रीराम का चित्रकूट में प्रवेश, सीताहरण, श्रीराम हनुमान का मिलन, शबरी प्रसंग, बालि बध सहित अनेक प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि हनुमान जी को कौन उपदेश दे सकता है, वे तो सकल विद्या के आचार्य है। पंचवटी का अर्थ है पांच प्राण, परमात्मा पांच प्राणों में विराजमान हैं। संसार वन में भटकने वाले को वासना रूपी शूर्पणखा मिल जाती है किन्तु राम तो उस ओर देखते ही नही।

महात्मा जी ने कहा कि किसी उलझन के समय जीव से परामर्श करना अच्छा है किन्तु ईश्वर से परामर्श तो अति उत्तम है। श्रीराम के तप से भरत का त्याग कम नहीं है। उनका प्रेम तो ऐसा प्रबल है कि जड़ पादुका भी चेतन हो गयी। **जनम—जनम मुनि जतन कराही। अन्त राम कहि आवत नाहीं।।** साधारण मनुष्य और परमात्मा में यही अन्तर है कि परमात्मा जिसे मारते हैं उसे तारते भी हैं। श्रीराम अति सहज है। **निर्मल मन जन सो मोहि पावा। मोहि कपट छल छिद्र न भावा।।** वे शरणागत की रक्षा करते हैं। रावण के अत्याचारों से त्रस्त होकर विभीषण जब श्रीराम के शरण में आये तो उन्होने विभीषण को गले लगा लिया ।

यज्ञाचार्य प्रभात शास्त्री, नीरज शास्त्री, आशुतोष दास, ने मंदिर शिखर स्नान कराकर श्री गणेश, भगवान शिव, पार्वती, कार्तिकेय, और जगत जननी आदि शक्ति की मूर्ति गर्भ गृह में विधि विधान से प्रतिष्ठित कराया। ब्रम्हलीन बाबा महादेव दास की स्मृति में आयोजित 9 दिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान में मुख्य रूप से प्रभात शास्त्री, आशुतोष दास, आदित्यदास, नीरज दास, ऋतिक दास, ओम नरायन, संगम शुक्ल, मुख्य यजमानगण दयाशंकर, राजकुमारी, नागेन्द्र मिश्र , राम सोहरत, शान्ती देवी, कौशल कुमार, कुसुम, सुनील पाण्डेय, मीरा देवी, सुल्ताना बाबा, सरोज मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल रहे।

# मिठाई में नशीला पदार्थ खिलाकर आठ साल की बच्ची से रेप

**संवाददाता—गोरखपुर।** मिठाई में नशीला पदार्थ खिलाकर आठ साल की बच्ची के साथ उसके दादा के उम्र के व्यक्ति ने दुष्कर्म कर दिया। बच्ची की मां की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। आरोपित तिवारीपुर के बख्तियार मोहल्ले का रहने वाला है।

तिवारीपुर थाना क्षेत्र के बख्तियार मोहल्ले की रहने वाली विधवा महिला की दो बेटियां हैं। एक बेटी 6 साल की तो दूसरी 8 साल की है। दोनों अक्सर शाम को साइकिल चलाने के लिए निकलती हैं। महिला का आरोप है कि उनकी बेटियों को मुहल्ले में रहने वाले उनके ससुर के दोस्त चिप्स व अन्य सामान बुलाकर देते थे। बच्चियां उन्हें दादा कहकर बुलाती हैं। वह ठेला पर बिरयानी बेचते हैं। महिला ने बताया कि रविवार की शाम को बेटियों को खाना खिला रही थी। उसी दौरान छोटी बेटी ने बताया कि दादा ने बुलाया था जब हम उनके घर गए तो दीदी को उन्होंने मिठाई खिलाई और वह सो गई। इसके बाद दादा ने उसके कपड़े उतार कर यह हरकत की थी। बेटी की बात सुनकर महिला सन्न रह गई। वह इस बात की शिकायत लेकर बिरयानी वाले दादा के घर गई तो वहां उनके घर वालों के साथ झड़प हुई। उन्होंने धमकी देकर भगा दिया। जिसके बाद उसने तिवारीपुर थाने में पहुंच कर शिकायत की। तिवारीपुर पुलिस ने केस दर्ज कर बच्चियों का मेडिकल करा रही है।

## पति, ससुर सहित चार के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

**संवाददाता—गोरखपुर।** बड़हलगंज क्षेत्र के गायघाट गांव निवासी तेजबहादुर सिंह की पुत्री रागिनी सिंह ने अपने पति तेजप्रताप सिंह, ससुर घनश्याम सिंह, सास व ननद के खिलाफ बड़हलगंज कोतवाली में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। तहरीर में पीड़िता रागिनी ने कहा है कि 06 फरवरी 2023 में मेरा विवाह संतकबीर नगर जनपद के धनघटा थाना क्षेत्र के घोरांग गांव निवासी घनश्याम सिंह के पुत्र तेजप्रताप सिंह के साथ हुआ था। शादी के छह माह बाद पति, सास—ससुर और ननद द्वारा मायके से एसी व बाइक लाने का दबाव बनाया जाने लगा। जबकि शादी में पिता ने अपने सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। असमर्थता जताने पर मुझसे मारपीट किया जाने लगा। यहा तक कि जलाकर मारने की धमकी दी गई। 07 अप्रैल 2024 को मारपीट कर जबरन मायके लाकर छोड़ दिया गया।

# लोकतंत्र में मतदान का महत्व बताया

**संवाददाता—गोरखपुर।** महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण में सोमवार को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें करीब दो दर्जन प्रतिभागियों ने लोकतंत्र में मतदान का महत्व और आओ मिलकर हम सब मतदान करें विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने युवा मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के युवा मतदाता उत्साहित हैं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शामिल सहायक आचार्य डॉ. अवेद्यनाथ सिंह ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सभी को वोट के प्रति सतर्क और जागरूक रहना है। मत का अधिकार हमारा मौलिक अधिकार है। सहायक आचार्य डॉ. किरण कुमार ने कहा कि 18वीं लोकसभा चुनाव में वोटिंग के ग्राफ को शत प्रतिशत करने का प्रयास हम सभी को मिलजुल कर करना होगा। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले 40 प्रतिशत युवा मतदाता पंजीकृत हुए हैं। भाषण प्रतियोगिता में अंशिका सिंह, अर्चना कुमारी, अनुभव, आशीष दूबे, सूरज यादव, निखिल प्रकाश पांडेय, उज्ज्वल पाठक, अमन यादव, नम्रता शर्मा, उत्कर्ष सिंह, निखिल प्रकाश, अभिषेक ओझा आदि ने अपनी बात रखी। संचालन खुशी गुप्ता ने किया। निर्णायक मंडल ने उत्कर्ष सिंह को प्रथम, आशीष दूबे को द्वितीय और आंशिक को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया।

# गोरखनाथ मंदिर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ

**संवाददाता—गोरखपुर।** सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को गोरखपुर दौरे पर पहुंचे। बिहार में चुनावी सभा के बाद सोमवार की शाम गोरखनाथ मंदिर पहुंच सीएम योगी ने गुरु गोरखनाथ का दर्शन किया। पूजा आरती करने की। मंगलवार को महानवमी के दिन नौ कन्याओं के पांव पखार कर विधि विधान से पूजन अर्चन करेंगे।

# डीएम ने स्कूलों के समय में किया बदलाव



**संवाददाता—गोरखपुर।** डीएम कृष्णा करूणेश ने तेज धूप, उमस भरी गर्मी और चल रही हीटवेव को देखते हुए कक्षा एक से आठ तक के स्कूल का समय बदल दिया है। इसके तहत 16 अप्रैल से अग्रिम आदेश तक जिले के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर सरकारी विद्यालय कक्षा एक से लेकर 12 तक सुबह 7.30 बजे से 12.30 बजे के बीच संचालित होंगे। इस आदेश का सख्ती से अनुपालन कराया जाएगा। इसके अलावा विद्यालयों में शुद्ध जल, ओआरएस पैकेट का घोल, दवाएं व अन्य जरूरी सामानों का प्रबंधन को विद्यालय परिसर में ही इंतजाम करना होगा। इसके अलावा विद्यालय से बाहर की सभी प्रकार की गतिविधियों को फिलहाल स्थगित रखना होगा। अभी विद्यालयों का समय सुबह आठ बजे से दो बजे था। जो भी विद्यालय इस निर्देशानुसार संचालित होते नहीं मिले, संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

# न लाइन खींची, न मीटर लगाया— भेज दिया 2 लाख रुपये का बिजली बिल

**संवाददाता—गोरखपुर।** बिजली निगम में एक से बढ़कर एक कारनामे हो रहे हैं। एक उपभोक्ता ने सीएम से शिकायत की है कि उसके घर तक न तो बिजली के खंभे से लाइन खींची गई और न ही परिसर में मीटर लगा, लेकिन करीब दो लाख रुपये का बिल भेज दिया गया। आरोप है कि आवेदन के बाद पहले परिसर में बिना मीटर लगाए ही पीला कागज देने की बात कही गई। मना करने पर बताया कि कनेक्शन का संयोजन संख्या निरस्त हो गया है। नए संयोजन के बाद ही मीटर लगेगा। 2022 में सूरजकुंड के तत्कालीन एसडीओ ने बुलाकर कनेक्शन के नाम पर लाखों रुपये का बिजली बिल बनने की बात कही। समझौते के बाद 2024 में अचानक उसी कनेक्शन (निरस्त) के नाम पर एक लाख 95 हजार रुपये का बिल भेज दिया। पीड़ित का कहना है कि उसने अपने परिसर में पिता के नाम से एक अगस्त 2019 को एलएमवी टू के तहत पांच किलोवाट वाणिज्यिक श्रेणी के लिए बिजली कनेक्शन (1623811185) का आवेदन किया था। कनेक्शन शुल्क भी जमा कर दिया। इसी बीच तबीयत खराब होने से पिता का निधन हो गया।

# कुपोषण से बचाने के साथ पालन के तरीकों में दक्ष हुई 4580 माताएं

**संवाददाता—सिद्धार्थनगर।** बच्चों को कुपोषण से बचाने के साथ ही माताओं को पालने के तौर—तरीके सिखाए गए हैं। इसके लिए परिषदीय विद्यालयों के परिसर में संचालित को—लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों में हर माह के अंतिम सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम तय किया गया है। जिले के 458 को—लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ी 4580 माताएं दक्ष की गई हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण में कुपोषित मिले बच्चों को पोषण देने के बारे में माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य माताओं को बच्चों की देखभाल के साथ औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करना है। साथ ही उन्हें खुद को शिक्षित बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए हर विद्यालय को पांच सौ रुपये प्रति कार्यक्रम के हिसाब से उपलब्ध कराए गए थे। जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता अमित शुक्ल ने बताया कि हर माह के लिए विषय तय कर दिए गए हैं। मार्च में फल व सब्जियां से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम हुए। सितंबर में पशु—पक्षी पर्यावरण पर कार्यक्रम होगा। अक्तूबर में हमारे मददगार जैसे डॉक्टर, पुलिस, पोस्टमैन, बढ़ई, कुम्हार व लोहार आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। नवंबर में यातायात के साधान, दिसंबर में त्योहार व पर्व, जनवरी में मौसम व ऋतु व फरवरी में जल के विभिन्न रूपों के बारे में बच्चों को जागरूक किया जाएगा। बीएसए देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि 458 विद्यालयों में आठ माह कार्यक्रम होने हैं। इसके लिए प्रति विद्यालय 500 रुपये प्रति कार्यक्रम आवंटित किया गया है। प्रधानाध्यापकों को माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम कराने का निर्देश दिया गया है।

# ट्रेन की चपेट में आने से युवक का दाहिना पैर कटा

**संवाददाता—संतकबीरनगर।** खलीलाबाद—मगहर रेलवे स्टेशन के बीच कसैला बजरंगनगर के पास रविवार की शाम को रेलवे ट्रैक पार करते दौरान ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक का दाहिना पैर कट कर अलग हो गया। लोगों की मदद से पुलिस घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया।

# खोराबार में किशोरी ने की खुदकुशी

**संवाददाता—गोरखपुर।** खोराबार इलाके के एक गाँव की रहने वाली किशोरी (16) का शव सोमवार को सुबह घर के अंदर कमरे में छत में लगे पंखे से साड़ी के सहारे लटकता हुआ मिला। परिजनों ने देखा,सूचना पर पहुंची खोराबार पुलिस मामले की जाँच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खोराबार थाना क्षेत्र के सिकटौर करमहिया टोला निवासी लवकुश निषाद पुत्र पल्टू निषाद रविवार को रात में पत्नी व बच्चों के साथ खाना खायें। पत्नी को लेकर घर के समीप अपने घुठठ पर सोने चले गए। उनके दो बेटे एवं एक बेटी मकान के छत पर सोने चले गए। सोमवार भोर में बेटा कुलदीप निषाद छत से घर में मोबाइल फोन चार्जिंग लगाने गया तो देखा बहन शालू कमरे में पंखे से गलें में साड़ी लगाकर लटक रही है।

बेटे ने शोर मचाया तो मां बाप पहुंचे और किशोरी को पंखे से उतार कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर इंस्पेक्टर खोराबार विजय कुमार सिंह व चौकी इंचार्ज सिकटौर संजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता मजदूरी करते हैं।


# खोराबार में किशोरी ने की खुदकुशी

**संवाददाता—गोरखपुर।** खोराबार इलाके के एक गाँव की रहने वाली किशोरी (16) का शव सोमवार को सुबह घर के अंदर कमरे में छत में लगे पंखे से साड़ी के सहारे लटकता हुआ मिला। परिजनों ने देखा,सूचना पर पहुंची खोराबार पुलिस मामले की जाँच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खोराबार थाना क्षेत्र के सिकटौर करमहिया टोला निवासी लवकुश निषाद पुत्र पल्टू निषाद रविवार को रात में पत्नी व बच्चों के साथ खाना खायें। पत्नी को लेकर घर के समीप अपने घुठठ पर सोने चले गए। उनके दो बेटे एवं एक बेटी मकान के छत पर सोने चले गए। सोमवार भोर में बेटा कुलदीप निषाद छत से घर में मोबाइल फोन चार्जिंग लगाने गया तो देखा बहन शालू कमरे में पंखे से गलें में साड़ी लगाकर लटक रही है। बेटे ने शोर मचाया तो मां बाप पहुंचे और किशोरी को पंखे से उतार कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर इंस्पेक्टर खोराबार विजय कुमार सिंह व चौकी इंचार्ज सिकटौर संजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता मजदूरी करते हैं।



## बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राम सहाय पुत्र श्री महावीर ग्राम— बोदवल थाना— मुण्डेरवा तहसील बस्ती सदर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे तीन पुत्र अरविन्द कुमार, कुन्दन कुमार और सच्चिता आनन्द है। इनमें से अरविन्द कुमार बहुत अधिक शराब पीकर आये दिन विवाद करता रहता है और परिवार के कहने—सुनने में नहीं हैं। उसका चाल चलन ठीक नहीं है और आपराधिक प्रवृत्ति का है। लगभग 15 वर्ष से वह अलग बनाता खाता है। मुझसे व मेरी पत्नी और परिवार से उसका कोई वास्ता सरोकार नहीं है। मैं उसे अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अब उसका मेरे परिवार से कोई वास्ता सरोकार नहीं है। अपने किसी भी आपराधिक कृत्य, वाद विवाद, लेन देन आदि के लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इस लिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दिनांक 8—04—2024

## अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 16/2024

भीम प्रसाद शुक्ला—सायल

1. भीम प्रसाद शुक्ला उम्र 50 साल पुत्र जगदीश प्रसाद शुक्ला साकिन ठाकुरपुर पो0 परसरामपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

**तारीख पेशी 29—04—2024**

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 29—04—2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

धारा 82 सी.आर.पी.सी.

अभियुक्त व्यक्ति को उपसंजाति के लिए अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा (धारा 82, अनुसूची 5,प्रपत्र संख्या 4)

न्यायालय—स्पेशल जज पाक्सो एक्ट बस्ती जिला—बस्ती

थाना—रूधौली

मुकदमा नम्बर—37/2023

अबरून्निशा

बनाम

अनारूल्लाह

स्पेशल जज पाक्सो एक्ट जिला बस्ती

चूंकि मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अनारूल्लाह पुत्र अब्दुल वहाब ग्राम नटाईकला थाना रूधौली जिला—बस्ती द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा के अधीन दण्डनीय किया गया

अपराध 147,354क,323,504,506, आईपीसी 7/8 पाक्सो एक्ट है और तद्परि निकाले गये गिरफ्तारी के किये जाने का संदेह किया जाता अधिपत्र को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त को पाया नहीं जा सका है और चूंकि मुझको समाधानप्रद रूप में यह संदर्भित कर दिया

अपपलायन कर गया है क्या है कि उक्त अभियुक्त उक्त अधिपत्र की तमील से बचने के लिये अपने को छिपा रहा है।

अत्एव एतद्द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि निवासी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह दिनांक इस न्यायालय में 29 मास 04 सन् 2024 ई0 को उक्त मेरे समक्ष परिवाद का उत्तर देने के लिये उपस्थित हो।

सन् 20 ई0 के मास के दिवस को दिनांकित न्यायालय हस्ताक्षर की मुहर मैजिस्ट्रेट

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 26/2022

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

अब्दुल रहिमान

बनाम

मोहम्मद हारून

1. मोहम्मद हारून 2. शाह आलम पुत्रगण मोहम्मद युनुस 3. सहीदुन्निशा बेवा मोहम्मद युनुस साकिन कुसौरी तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला—बस्ती

**तारीख पेशी 23—05—2024**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 494/2022

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

श्रीमती कान्ती

बनाम

कृपाल

कृपाल पुत्र चन्द्रिका प्रसाद निवासी ग्राम रैनिया तप्पा जगन्नाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

**तारीख पेशी 28—05—2024**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम



**दैनिक भारतीय बस्ती**

**स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।**

**सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय**

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

**अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—** चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

**लखनऊ कार्यालय—** आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

**गोरखपुर कार्यालय—** इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल **bhartiyabasti@yahoo.com** **bhartiyabasti@gmail.com**